हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक : 348 : जौनपुर, मंगलवार 19 सितम्बर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज - 4 मूल्य : 2 रूपया

पीएम मोदी ने लोक सभा में नेहरू की जमकर की तारीफ, कांग्रेसियों के तालियां नहीं बजाने पर किया कटाक्ष

एजेन्सी

नयी दिल्ली। पुराने संसद भवन में लोक सभा में अपना आखिरी भाषण देते हुए सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू से लेकर अपने पूर्ववर्ती पीएम मनमोहन सिंह के योगदान को सराहते हुए राष्ट्र निर्माण में सभी प्रधानमंत्रियों के योगदान को याद किया। पीएम मोदी ने 14–15 अगस्त, 1947 को आधी रात में संविधान सभा में जवाहर लाल नेहरू द्वारा दिए गए ऐतिहासिक भाषण ट्रिस्ट विद डेस्टिनी को याद करते हुए कहा कि पंडित नेहरू का वह भाषण हम सबको प्रेरित करता रहेगा।

पीएम मोदी जब जवाहर लाल नेहरू के भाषण और योगदान को याद करते हुए उनकी प्रशंसा कर रहे थे, उस समय सत्ता पक्ष की तरफ से मेज थपथपाकर उनके तारीफ का समर्थन किया जा रहा था लेकिन कांग्रेस सांसदों की तरफ से ऐसा कुछ नहीं किया गया। ऐसे में कांग्रेस के तालियां नहीं बजाने पर कटाक्ष करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि कुछ बातें ऐसी हैं जो हर किसी की ताली की हकदार है, लेकिन इसमें भी राजनीति आड़े आ रही है। जब नेहरू के योगदान को याद किया जा रहा हो तो भला कौन उसे नहीं मानेगा। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 75 वर्षों में दोनों सदनों को मिलाकर 7,500 के लगभग जनप्रतिनिधि (सांसद) जिसमें 600 के लगभग महिला जनप्रतिनिधि भी शामिल रही है, ने देश के निर्माण में अपनी अपनी भूमिका निभाई है। जवाहर लाल नेहरू से लेकर शास्त्री,अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह तक बड़ी श्रृंखला रही है जिन्होंने देश का नेतृत्व किया है। आज का दिन इन सबके गुणगान करने का अवसर है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में कहा कि आज हम इस ऐतिहासिक भवन से विदा ले रहे हैं। इस सदन से विदा लेना भावुक पल है। 75 वर्षों की संविधान सभा और भारतीय संसद की यात्रा का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इस संसद ने पंडित नेहरू का आधी रात का ऐतिहासिक भाषण सुना, अटल बिहारी वाजपेयी का श्यह देश रहना चाहिए के ऐतिहासिक भाषण का गवाह बना, बांग्लादेश की मुक्ति भी देखी,आपातकाल भी देखा, फिर लोकतंत्र की वापसी भी देखी, ग्रामीण मंत्रालय बनने का गवाह बना, मतदान की उम्र को 21 से घटाकर 18 इसी सदन ने किया, नरसिम्हा राव सरकार के आर्थिक सुधारों और साहसिक फैसलों का गवाह बना, अटल सरकार में सर्वशिक्षा अभियान और परमाणु परीक्षण एवं आदिवासी और नॉर्थ ईस्ट मंत्रालय भी बनते देखा और मनमोहन सिंह सरकार में कैश फॉर वोट कांड भी देखा। इस सदन ने अपने तीन प्रधानमंत्री–जवाहर लाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री और इंदिरा गांधी को अश्रुभरी विदाई भी दी। उस समय यह सदन आंसू से भर गया था। उन्होंने सदन में अपने पहले दिन को याद करते हुए कहा कि रेलवे प्लेटफॉर्म पर गुजारा करने वाला गरीब का बच्चा देश की संसद तक पहुंच गया। उन्होंने कभी सोचा नहीं था कि देश इतना मान सम्मान देगा और प्यार देगा। प्रधानमंत्री ने भारत की संसदीय यात्रा में मीडिया और पत्रकारों की भूमिका की भी सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने दावा किया कि संसद के नए भवन में हमारा लोकतंत्र नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

मणिपुर में भारतीय सेना के जवान की हत्या

एजेन्सी

इंफाल। मणिपुर में एक पुलिस सब–इंस्पेक्टर की हत्या के कुछ ही दिनों के अंदर अब भारतीय सेना के एक जवान की हत्या कर दी गई है. इस घटना से राज्य में आम लोगों के साथ साथ सुरक्षाबलों की सुरक्षा लेकर को भी सवाल खड़े हो गए हैं.सिपाही सरतो थांगथांग कॉम छुट्टी ले कर इम्फाल पश्चिम जिले में अपने घर गए गए हुए थे, जहां से अज्ञात लोगों ने शनिवार 16 सितंबर को उनका अपहरण कर लिया. अगली सुबह उनके घर से करीब 15 किलोमीटर दूर उनका शव मिला. मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक उनके सिर पर एक गोली लगने का निशान था. सरतो थांगथांग कॉम की हत्या में शामिल लोगों की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है. 41 साल के सरतो थांगथांग कॉम डिफेंस सर्विस कोर की एक पलटन में तैनात थे. यह भारतीय सेना का एक विशेष दस्ता है, जिसका काम सेना की तीनों शाखाओं की इमारतों और अन्य संवेदनशील इमारतों की रक्षा करना होता है. सरतो थांगथांग कॉम समुदाय के सदस्य थे, जिन्हें मणिपुर के अल्पसंख्यक आदिवासी समुदायों में से एक माना जाता है. ओलंपिक में

कांस्य पदक विजेता बॉक्सर और पूर्व राज्य सभा सदस्य एमसी मैरी कॉम भी इसी समुदाय की सदस्य हैं. उन्होंने दो सितंबर को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एक पत्र लिखकर उनसे अपील की थी उनके समुदाय की सुरक्षा के लिए कदम उठाए जाएं. मैरी कॉम ने पत्र में लिखा था कि कॉम समुदाय के लोग मैतेई और कुकी समुदायों के बीच में फंसे हुए हैं और अक्सर दोनों पक्षों की तरफ से उनके समुदाय के लोगों को संदेह की दृष्टि से देखा जाता है। उन्होंने यह भी बताया था कि कम संख्या बल और कमजोर आंतरिक प्रशासन होने की वजह से उनके समुदाय के लोग अपनी सुरक्षा नहीं कर पाते हैं. भारतीय सेना के सिपाही की हत्या को लेकर मणिपुर में सरकार की नीतिकी आलोचना की जा रही है. सुरक्षा मामलों के जानकार सुशांत सिंह ने एक्स पर लिखा है कि यह सेना के शीर्ष नेतृत्व और राज्य में बीजेपी सरकार दोनों पर टिप्पणी है. मणिपुर सरकार की तरफ से इस घटना पर अभी तक कोई बयान नहीं आया है. पिछले महीने मणिपुर पुलिस ने सेना के असम राइफल्स पर कामकाज में बाधा पहुंचाने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कर दी थी. सेना ने इस आरोप का खंडन किया था. इससे पहले मैतेई संगठनों के विरोध के कारण विष्णुपुर में एक जांच चौकी से असम राइफल्स के जवानों को हटा कर राज्य पुलिस और सीआरपीएफ को तैनात किया गया था।

ईडी के समन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गए हेमंत को नहीं मिली राहत, खंडपीठ ने कहा–पहले हाईकोर्ट जाइए

एजेन्सी

रांची। ईडी के समन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गए झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन को कोई राहत नहीं मिल पाई। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि वह इस याचिका पर फिलहाल विचार नहीं करेगी। सोरेन चाहें तो इस मामले पर सुनवाई के लिए पहले हाईकोर्ट जा सकते हैं। सोरेन ने ईडी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दायर क्रिमिनल रिट पिटीशन में पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) 2002 की धारा 50 और 63 की वैधता पर सवाल उठाया था। उन्होंने याचिका में कहा था कि जांच एजेंसी को धारा 50 के अंतर्गत बयान दर्ज कराने या पूछताछ के दौरान ही किसी को गिरफ्तार करने का अधिकार है। इसलिए, समन जारी करने के बाद गिरफ्तारी का डर बना रहता है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया था कि समन को स्थगित किया जाए और पीड़क कार्रवाई नहीं करने का आदेश ईडी को दिया जाए। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस अनिरुद्ध बोस और जस्टिस बेला माधुर्य त्रिवेदी की पीठ ने सोरेन की याचिका में उठाए गए बिंदुओं पर सुनवाई से इनकार करते हुए उनके वकील मुकुल रोहतगी से कहा कि वह पहले हाईकोर्ट क्यों नहीं जाते? इधर, ईडी ने सोरेन को चौथी बार समन जारी कर 24 सितंबर को एजेंसी के रांची स्थित जोनल कार्यालय में उपस्थित होने को कहा है। एजेंसी उनके रांची में जमीन घोटाले से जुड़े मनी–लॉन्ड्रिंग केस में पूछताछ करना चाहती है। इस घोटाले में ईडी रांची के पूर्व डीसी आईएएस छविरंजन सहित 13 को गिरफ्तार कर चुकी है। ईडी ने सोरेन को पहली बार 24 अगस्त को पूछताछ के लिए समन भेजा था, लेकिन, सोरेन ने इसके जवाब में पत्र भेजकर समन को गैरकानूनी बताते हुए कानूनी कार्रवाई की बात कही थी। सोरेन ने इस मामले में ईडी के असिस्टेंट डायरेक्टर को पत्र भी लिखा था, जिसमें उन्होंने कहा था, एक चुनी हुई सरकार को अस्थिर करने की कोशिश है। केंद्र सरकार पिछले एक साल से उन पर अनुचित दबाव डाल रही है। उनकी बात नहीं मानने पर केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने ईडी के तौर–तरीके पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए कहा था कि अवैध पत्थर खनन मामले में पिछले साल 17 नवंबर को पूछताछ के लिए बुलाया गया था। उस वक्त उन्होंने अपने और परिवार की चल–अचल संपत्ति का सारा ब्योरा भी दिया था। 30 नवंबर 2022 को अचल संपत्ति के डीड की सर्टिफाइड कॉपी मुहैया कराई गई थी। बैंक का डिटेल भी मुहैया कराया गया था।

चंद्रबाबू नायडू की बहू ने कहा, वाईएसआरसीपी शासन करने में अक्षम

एजेन्सी

अमरावती। पूर्व मुख्यमंत्री और जेल में बंद तेलुगु देशम पार्टी के प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू की बहू नारा ब्राह्मणी ने सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) की आलोचना करते हुए कहा, यह शासन करने में असमर्थ है। टीडीपी महासचिव नारा लोकेश की पत्नी ब्राह्मणी ने वाईएसआरसीपी सरकार पर निशाना साधने के लिए एक्स का सहारा लिया। उन्होंने सत्तापक्ष से कहा कि वह लोकतंत्र का मजाक न बनायें। उन्होंने सीमेंस के पूर्व एमडी के स्पष्टीकरण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पोस्ट किया, " सरकारी निकायों, बहुराष्ट्रीय कंपनियों, युवाओं और लोकतंत्र का मजाक मत बनाओ। आप न केवल शासन करने में अक्षम हैं, बल्कि स्वयं सच्चाई देखने के लिए भी आगे बढ़ रहे हैं।

योगी बोले, 'रक्तदान महादान है, इसके लिए समाज को जागरूक करने की जरूरत

एजेन्सी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि 'रक्तदान महादान है और ''इस महादान के प्रति लोग स्वतः स्फूर्त भावना से आगे आएं। इसके लिए समाज को जागरूक करने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में जारी सेवा पखवाड़ा के दूसरे दिन भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने गुरु श्री गोरक्षनाथ ब्लड बैंक में रक्तदान किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ब्लड बैंक पहुंचकर रक्तदान शिविर की शुरुआत की और रक्तदान करने वाले युवाओं का मनोबल बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि, ''रक्तदान कर रक्त की कमी या रक्त विकार से ग्रसित लोगों

की जान बचाई जा सकती है। एक यूनिट रक्त के अलग–अलग तत्वों से कई लोगों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि, ''जानकारी के अभाव में अब भी बहुत से लोग रक्तदान के लिए आगे नहीं आते, जबकि किसी भी स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान करने से कोई दिक्कत नहीं होती। स्वैच्छिक रक्तदान कम होने पर पेशेवर लोग जन स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने लगते हैं। मुख्यमंत्री ने लोगों को जागरुक करते हुए कहा कि, ''समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाकर पेशेवरों को रोका जा सकता है। निश्चित अंतराल के बाद प्रत्येक स्वस्थ्य व्यक्ति को पीड़ित मानवता की मदद के लिए रक्तदान करना ही चाहिए। योगी ने कहा, ''2005 में गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय में ब्लड बैंक की स्थापना हुई थी। तब 'ब्लड सेपरेटर (रक्त के तत्वों को अलग करने की प्रक्रिया) की व्यवस्था नहीं थी। अब 'ब्लड सेपरेटर होने से जरूरत के अनुसार प्लेटलेट्स, प्लाज्मा आदि अलग–अलग कर रोगियों को उपलब्ध हो रहा है। इससे मरीजों को काफी राहत मिल रही है। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। आज रक्तदान का कार्यक्रम इसी का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि मोदी का जीवन जनता और जन कल्याण को समर्पित है। उनके नेतृत्व में नया भारत दुनिया की महाशक्ति बन रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जी 20 की अगुवाई के साथ दुनिया भारत का सामर्थ्य देख रही है। भारत की प्रतिष्ठा वैश्विक मंचों पर तेजी से बढ़ती जा रही है।

जम्मू–कश्मीर: शहादत का बदला लेने की कसम खाई

एजेन्सी

जम्मू। जम्मू–कश्मीर में अनंतनाग जिले के गडोले वन क्षेत्र में छिपे आतंकवादियों का सफाया करने के लिए चलाया गया अभियान सोमवार को छठे दिन भी जारी है। आतंकवादियों के ठिकानों का पता लगाने के सुरक्षा बल ड्रोन का प्रयोग कर रहे हैं और लगातार कार्रवाई कर रहे हैं। केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मुठभेड़ में शहीद हुए सेना के तीन अधिकारियों की शहादत का बदला लेने की कसम खाई है। यहां मौजूद अधिकारियों के मुताबिक, पिछले पांच दिनों से जारी इस आतंक विरोधी अभियान के दौरान नष्ट हुए आतंकी ठिकानों में से एक के समीप ड्रोन की फुटेज में एक व्यक्ति का जला हुआ शव पड़ा दिखाई दे रहा है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों द्वारा इलाके की छानबीन करने के बाद ही अधिक जानकारी प्राप्त हो सकेगी। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बल घने वन क्षेत्र में ड्रोन और हेलीकॉप्टर के जरिए तलाश कर रहे हैं। माना जा रहा है कि बुधवार को शुरुआती मुठभेड़ में सेना के दो अधिकारियों और एक पुलिस उपाधीक्षक के शहीद होने के बाद से आतंकवादी यहीं छिपे हैं। अधिकारियों ने बताया कि वन क्षेत्र में कई गुफानुमा ठिकाने हैं। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादी आवासीय इलाकों में न घुस पाएं, यह सुनिश्चित करने के लिए एहतियात के तौर पर पड़ोसी पोश क्रेरी इलाके तक सुरक्षा घेरा बढ़ा दिया गया है। रविवार देर शाम यहां एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि शहीदों के खून की एक–एक बूंद का बदला लिया जाएगा और आतंकवादियों के आकाओं को इसकी भारी कीमत चुकानी होगी। सिन्हा ने कहा कि हमें हमारे सैनिकों पर पूरा भरोसा है...पूरा देश जवानों के साथ एकजुटता से खड़ा है। उन्होंने दावा किया कि अनंतनाग में सुरक्षा बलों पर हमला, जी20 शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन और जम्मू–कश्मीर में संघर्षरत मुनाफाखोरों पर कार्रवाई से बौखलाए आतंकियों की हताशा का परिणाम है। सिन्हा ने कहा कि जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद और आम आदमी को दबाने वाले पारिस्थितिकी तंत्र को खत्म करने का समय आ गया है। पुलिस महानिदेशक (GP) और सेना की 15 कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) सहित कश्मीर में सुरक्षा बल के शीर्ष अधिकारी अभियान पर नजर बनाए हुए हैं।

मप्र में आदिवासी योजना में घोटाले की दिग्विजय सिंह ने की राष्ट्रपति से शिकायत

एजेन्सी

भोपाल। मध्य प्रदेश में केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा ''आदिवासी जैविक खेती योजना'' के लिये स्वीकृत 74 करोड़ की राशि में व्यापक स्तर पर भ्रष्टाचार होने का पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने एक शिकायत के आधार पर आरोप लगाते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से जांच कराए जाने की मांग की है। सिंह ने राष्ट्रपति को लिख पत्र के साथ भोपाल के साकेत नगर में रहने वाले पुनीत टंडन की शिकायत को संलग्न किया है। इसमें कहा गया है कि प्रदेश के आदिवासी वर्ग के लिये वर्ष 2016–17 में जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा ''आदिवासी जैविक खेती योजना'' के लिये स्वीकृत 74 करोड़ की राशि में व्यापक स्तर पर

भ्रष्टाचार हुआ है, जिस पर राज्य शासन द्वारा कार्यवाही करने की जगह भ्रष्ट अफसरों को बचाने की कोशिश की जा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री के अनुसार टंडन ने बताया है कि मध्यप्रदेश के 24 जिलों में आदिवासी हितग्राहियों की फर्जी सूची बनाकर राशि का गबन किया गया है।

केन्द्र सरकार ने विशेष पिछड़े जनजाति समुदाय के किसानों के लिये 90 करोड़ रूपये तथा अन्य आदिवासी किसानों को जैविक खेती से जोड़ने के लिये 54 करोड़ रूपये आवंटित किये थे। आवेदक द्वारा पूर्व में भी इसकी शिकायत हर स्तर की जा चुकी है जिस पर कलेक्टर मंडला ने तीन अधिकारियों की समिति गठित कर जांच कराई थी।

समिति ने 11 मार्च, 2022 को प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन में बताया कि उपरोक्त शिकायत पर जांच हेतु ग्राम किन्द्र विकासखण्ड मण्डला, जिला मण्डला में हितग्राहियों से चर्चा की और व्यक्तिगत पूछताछ एवं ग्राम का भ्रमण करने पर पाया कि सूची में प्रेषित कृषक ब्राम्हण, तेली, कुर्मी, लोहार आदि जाति के पाए गए। उन्हें किसी भी प्रकार की जैविक सामग्री नही दी गई।

पूर्व मुख्यमंत्री ने आवेदक की शिकायत का हवाला देते हुए बताया कि इसी प्रकार आवेदक ने प्रदेश के अन्य 23 जिलों में ''आदिवासी जैविक खेती योजना'' के लिये केन्द्र सरकार से स्वीकृत राशि में घोटाला किये जाने की शिकायत की है।मंडला जिले की जांच से पता चलता है कि पूरे प्रदेश में इस योजना के बजट का दुरूपयोग किया गया है। किसी भी जाति, समाज के किसान का नाम लिखकर कृषि विभाग के अधिकारियों ने आदिम जाति कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर आदिवासी किसानों के नाम जैविक खेती मद की राशि आहरित कर ली।

सिंह ने राष्टपति से आग्रह किया है कि केन्द्र सरकार द्वारा प्रदेश के वंचित वर्ग के लिये स्वीकृत राशि का गबन करने के प्रकरण की राष्ट्रपति कार्यालय में पदस्थ भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी की देख–रेख में यह जांच कराई जाये। दोषी अधिकारियों और अन्य सप्लायर्स के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही करने हेतु संबंधित को समुचित निर्देश दिया जाए।

गाजियाबाद में डेंगू के मामले बढ़े, कुल मामले पहुंचे 487

एजेन्सी

गाजियाबाद डेंगू के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं और बड़ी संख्या में मरीज अस्पतालों में पहुंच रहे हैं। डेंगू के इन बढ़ते मामलों ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता को बढ़ा दिया है।

जगह–जगह सैंपल लिए जा रहे हैं, फागिंग की जा रही है।

बंगाल शिक्षा विभाग की राज्य विश्वविद्यालयों के वित्त अधिकारियों के साथ बैठक को लेकर अटकलें

एजेन्सी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विभिन्न राज्य विश्वविद्यालयों में अंतरिम कुलपतियों की नियुक्तियों को लेकर राजभवन और राज्य सचिवालय के बीच बढ़ते तनाव के बीच, सरकार द्वारा बुलाई गई बैठक के बाद अटकलों का दौर शुरू हो गया है। 20 सितंबर को 11 राज्य विश्वविद्यालयों के वित्त अधिकारियों को बुलाया गया है। राज्य शिक्षा विभाग के अधिकारी बैठक के संभावित एजेंडे के बारे में चुप्पी साधे हुए हैं। शैक्षणिक हलकों, खासकर इन राज्य विश्वविद्यालयों से जुड़े लोगों के बीच आशंकाएं हैं कि प्रस्तावित बैठक में राज्य विश्वविद्यालयों के लिए मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (एचआरएमएस) पर चर्चा की जाएगी, इससे वहां के शैक्षणिक और गैर–शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए वेतन संरचनाओं के वैकल्पिक भुगतान को सक्षम किया जा सके।

केंद्र बुधवार को संसद में पेश कर सकती है महिला आरक्षण बिल...27 साल से अटका पड़ा है यह

एजेन्सी

नयी दिल्ली। संसद के पांच दिवसीय सत्र की सोमवार को शुरूआत हुई। वहीं इसी के साथ ही महिला आरक्षण बिल लाने पर चर्चा शुरू हो गई है। सूत्रों के हवाले से खबर है कि संसद के विशेष सत्र में बुधवार को केंद्र सरकार महिला आरक्षण बिल ला सकती है। करीब 27 साल से लंबित महिला आरक्षण विधेयक अटका पड़ा है और अब सरकार इस पर यह बड़ा कदम उठाने वाली है। तृणमूल कांग्रेस ने भी सोमवार को सरकार से आग्रह किया कि संसद के नए भवन में महिला आरक्षण विधेयक बिना देर किए पेश किया जाए और पारित किया जाए।

भारत राष्ट्र समिति, तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) और बीजू जनता दल (बीजद) ने सरकार से आग्रह किया कि संसद की कार्यवाही नई इमारत में स्थानांतरित होने के महत्वपूर्ण अवसर पर महिला आरक्षण विधेयक पारित कर इतिहास रचा जाए। लोकसभा में पार्टी के नेता सुदीप बंदोपाध्याय ने 'संविधान सभा से शुरू हुई 75 वर्षों की संसदीय यात्रा – उपलब्धियां, अनुभव, यादें और सीखश विषय पर चर्चा में भाग लेते हुए यह मांग उठाई। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे समय जब नए संसद भवन में कार्यवाही शुरू होने जा रही है ।

सम्पादकीय

सनातन धर्मः मद्रास हाईकोर्ट का संदेश

सत्य, अहिंसा, त्याग और परोपकार सनातन धर्म के मूलमंत्र हैं। समाज को समरस बनाने में सनातन धर्म की बहुत बड़ी भूमिका है। सनातन धर्म हमें प्रत्येक वस्तु, व्यक्ति में परमात्मा के दर्शन करने की शिक्षा देता है। सनातन धर्म कहता है कि गलतियां करें तब भी सच्चे मन से कोशिश करं कि फिर उन्हें न दोहरायें। सनातन धर्म सिर्फ एक धर्म नहीं अपितु जीवन जीने का एक योजनाबद्ध क्रम, कला व तरीका है। मनुष्य के पूरे जीवन के हर पड़ाव में क्या–क्या योजनाएं व संस्कार निहित हैं, सब बातों का क्रमबद्ध ज्ञान सनातन धर्म हमें सिखाता है। सनातन धर्म उच्च आचरण के साथ–साथ मनुष्य को जीवन जीने की सभ्यता के विशेष मार्ग का दर्शन करता है। सनातन धर्म हमें सिखाता है कि कैसे एक राम सामान पुत्र अपने पिता के वचन का पालन करने के लिए समस्त भौतिक राज–पाट, सुख–सुविधाओं का त्याग करके चौदह वर्ष के लिए एक वनवासी का जीवन समाज कल्याण के लिए व्यतीत करता है। सनातन धर्म का पालन एक कठिन तपस्या है, जिसके मार्ग पर चलकर व्यक्ति केवल स्वयं के बारे में नहीं अपितु विश्व कल्याण के बारे में सोचता है और उसी हिसाब से आचरण करता है। सनातन धर्म किसी भी प्रकार से छोटा–बड़ा और ऊंच–नीच के भेदभाव को नहीं मानता। तमिलनाडु के युवा और खेलमंत्री उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म विरोधी बयान के बाद विवाद खड़ा हो गया और सनातन को लेकर जोरदार चर्चा शुरू हो गई। कुछ ऐसी ही भाषा पधेरियार भी बोलते थे जिन्होंने 1925 में तमिलनाडु के कांग्रेसी आंदोलन में ब्राह्मण वर्चस्व के विरोध में कांग्रेस को छोड़ दिया था। पेरियार छुआछूत और भेदभाव के खिलाफ थे। सामाजिक न्याय शब्द सही मायने में पेरियार के आंदोलन से ही उभरा था। सनातन धर्म को लेकर जारी विवाद के बीच मद्रास हाईकोर्ट ने एक अहम टिप्पणी की। मद्रास हाईकोर्ट ने कहा है कि सनातन धर्म शास्वत कर्त्तव्यों का समूह है जिसमें देश के प्रति कर्त्तव्य, राजा का कर्त्तव्य, राजा के जनता के घ्प्रति कर्त्तव्य, माता–पिता और गुरुओं के प्रति कर्त्तव्य और गरीबों की देखभाल और कई अन्य कर्त्तव्य हैं। कोर्ट ने कहा कि जब धर्म को लेकर कोई टिप्पणी की जाती है तो उसमें ध्यान रखना चाहिए कि उससे किसी की भावनाएं आहत नहीं होनी चाहिए। कोर्ट ने अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि श्ऐसा मान लिया गया है कि सनातन धर्म सिर्फ जातिवाद और छुआछूत को बढ़ावा देता है। जिस देश में सभी नागरिकों को समान अधिकार मिले हुए हैं, वहां छुआछूत को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। संविधान में छुआछूत को समाप्त किया गया है और यह लोगों का मौलिक अधिकार है। हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता एलानगोवन के तर्कों का हवाला देते हुए कहा कि सनातन धर्म में कहीं भी छुआछूत का जिक्र नहीं है और ना ही यह इसका समर्थन करता है और हिंदू धर्म में सभी को समान माना जाता है लेकिन समय के साथ जब धार्मिक कर्मकांड आगे बढ़ते हैं तो उसमें कुछ बुराइयां आ जाती हैं और यह फसल में उगी खरपतवार जैसी हैं लेकिन इन बुराइयों को खत्म करने के लिए पूरी फसल को क्यों काटना चाहिए? हाईकोर्ट ने यह भी कहा है कि संविधान में बोलने की आजादी मिली हुई है लेकिन बोलने की आजादी नफरत में नहीं बदलनी चाहिए। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता घृणित भाषण नहीं हो सकती। यदि इसे नजरंदाज किया जाता है तो किसी भी बहस की दिशा पटरी से उतर जाएगी और इसके पीछे का उद्देश्य अपना महत्व खो देगा। अभियव्यक्ति की स्वतंत्रता निष्पक्ष और स्वस्थ सार्वजनिक बहसों को प्रोत्साहित करती है तो इससे समाज को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। जो कुछ भी चल रहा है उस पर चिंता व्यक्त करते हुए न्यायालय इस पर अपने विचार व्यक्त करने से खुद को रोक नहीं सकता। सनातन धर्म पर विवाद निरर्थक है और इस पर नई पीढ़ी को भी विचार करना चाहिए। हम को सब समाज में व्याप्त बुराइयों को खत्म करने के लिए संकल्प लेकर चलना होगा ताकि उन बुराइयों का उन्मूलन किया जा सके और सामाजिक न्याय का सपना साकार हो सके। वोट बैंक के लिए आक्रामक भाषा का इस्तेमाल देश के लिए अच्छा नहीं होता।

सजायाफ्ता नुमाइंदे

देश की राजनीति में बढ़ती अपराधीकरण की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के बाबत दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए देश की शीर्ष अदालत ने एमिकस क्यूरी नियुक्त कर सुझाव मांगे थे। अदालत मित्र ने इस बाबत सुझाव दिया है कि गंभीर आपराधिक मामलों में दोषी ठहराए गये राजनेताओं पर ताउम्र चुनाव लड़ने की पाबंदी लगनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि फिलहाल यह अवधि दोष सिद्ध होने पर महज छह वर्ष है।

इस तर्क के पक्ष में दलील दी गई है कि जब ऐसे किसी मामले में सरकारी कर्मचारी को बर्खास्त कर दिया जाता है तो राजनेताओं को छूट क्यों दी जाती है? उन्होंने इसे संविधान द्वारा प्रदत्त समानता के अधिकार का अतिक्रमण बताया। उल्लेखनीय है कि वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया इस बाबत दायर की गई याचिका, जिसमें आपराधिक मामलों में राजनेताओं पर शीघ्र मुकदमा चलाने की मांग की गई थी, अदालत मित्र की भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं। उनका तर्क है कि दोषी ठहराए गये सांसदों को उनकी रिहाई के छह साल बाद चुनावी राजनीति में फिर से सक्रिय होने देना संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है, जो कानून के समक्ष समानता का अधिकार देता है। निस्संदेह, किसी सभ्य समाज में कानून व्यवस्था का यही तकाजा है कि बलात्कार, हत्या, मादक पदार्थों की तस्करी, भ्रष्टाचार और आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने जैसे गंभीर अपराधों में दोषी ठहराए गये व्यक्ति को चुनाव लड़ने से स्थायी रूप से रोक दिया जाना चाहिए। भले ही वह रिहा हो गया हो। इस जटिल समस्या का नैतिक पक्ष भी यही कहता है। इसके अतिक्रमण का समाज में अच्छा संदेश कदापि नहीं जायेगा। दरअसल, शीर्ष अदालत में प्रस्तुत रिपोर्ट में जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा–8 पर भी प्रकाश डाला गया है, जिसमें कहा गया है कि किसी दोषी राजनेता की अयोग्यता उसकी रिहाई के छह साल तक ही बढ़ाई जा सकती है। निस्संदेह यह एक कानूनी खामी है। जो सही मायनों में राजनीति को अपराधमुक्त करने के मार्ग में एक बड़ी बाधा है। इस गंभीर व जटिल समस्या के समाधान के लिये इस बाधा को प्राथमिकता के आधार पर दूर करने की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर ऐसे सांसदों और विधायकों से जुड़े मामलों में तेजी लाना भी जरूरी है।

ताकि वे जिस भी राजनीतिक दल से जुड़े हैं, उनका दल अदालत के फैसले के आधार पर आरोपी राजनेता की उम्मीदवारी या पद पर बने रहने संबंधी निर्णय ले सकें। निस्संदेह, इससे मतदाताओं को चुनाव के दौरान मौजूद विकल्प चुनने में सहायता मिल सकती है।

एमिकस क्यूरी की रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि ऐसे मामलों के लिये स्थापित विशेष अदालतों को संबंधित उच्च न्यायालयों को लंबित मामलों और निपटान की मासिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिये निर्देशित किया जाये। साथ ही लंबे समय से लंबित मामलों में देरी के कारण को भी निर्दिष्ट किया जाना चाहिए। निस्संदेह, यदि इन सभी उपायों का गंभीरता से क्रियान्वयन किया जाये तो देश की राजनीति को साफ–सुथरा बनाने में महत्वपूर्ण मदद मिल सकती है। जो कि स्वस्थ लोकतंत्र की अनिवार्य शर्त भी है।

मणिपुर रिपोर्ट पर मुकदमा

भारत की न्यायपालिका समय–समय पर अपने दिव्य ज्ञान की ज्योति बिखेर कर लोकतान्त्रिक व्यवस्था के सभी अन्य स्तम्भों को उनके कर्त्तव्य व दायित्व का बोध इस तरह कराती रहती है जिससे वे हर तरह के अनचाहे व्यवधानों से मुक्त होकर अपना दायित्व निष्ठापूर्वक निभा सकें। जाहिर है कि भारत की लोकतान्त्रिक व्यवस्था में विधायिका का अपना विशिष्ट स्थान है और उसके पास नये कानून बनाने से लेकर पुराने कानूनों में संशोधन करने का भी अधिकार है परन्तु विधायिका द्वारा बनाये गये नये कानूनों या पुराने कानूनों में संशोधन प्रक्रिया की संवैधानिक समीक्षा करने का परम अधिकार केवल सर्वोच्च न्यायालय के पास ही है। अतः हम कह सकते हैं कि सर्वोच्च या उच्चतम न्यायालय भारत की एसी 'न्यायपीठ' है जिसके समक्ष शुचिता व शुद्धता और पारदर्शिता अपने पवित्र स्वरूप में प्रकट रहती हैं। यह पवित्रता ही है जो सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को 'न्यायमूर्ति' बनाती है। हमारे संविधान निर्माताओं ने देश के नागरिकों के मौलिक या मूल अधिकार नियत करके यह गारंटी दी कि उनके इन अधिकारों की रक्षा करने के लिए देश की न्यायपालिका प्रतिबद्ध रहेगी। अतः सही मायनों में देश का सर्वोच्च न्यायलय आम नागरिक का ऐसा सुरक्षा कवच भी है जो उसे किसी भी प्रकार के अन्याय से बचाता है। यह संयोग नहीं है कि आजादी की लड़ाई के दौरान जब इसका नेतृत्व करने वाली कांग्रेस पार्टी का अधिवेशन 1931 में कराची में हुआ तो उसमें यह प्रस्ताव पारित किया गया कि स्वतन्त्र भारत में नागरिकों के मूल अधिकार या मानवाधिकार होंगे अर्थात स्वतन्त्र भारत के नागरिक की स्थिति संविधान के दायरे में स्वयंभू की होगी। ये अधिकार जीवन, व्यवसाय, अभिव्यक्ति , मजहब आदि के थे। इस महाधिवेशन की अध्यक्षता सरदार वल्लभ भाई पटेल ने की थे। अतः यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि सरदार पटेल मानवाधिकारों के उतने ही बड़े अलम्बरदार थे जितना कि पं. नेहरू को समझा जाता है। वर्तमान सन्दर्भों में इस इतिहास की प्रासंगिकता क्या हो सकती है? वास्तव में ये हमेशा ही लोकतन्त्र में प्रासंगिक रहेंगे जिससे भारत में स्थापित स्वतन्त्र न्यायपालिका की हस्ती जुड़ी हुई है।

सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश श्री डी.वाई. चन्द्रचूड ने कल पत्रकारिता या सार्वजनिक लेखन के बारे में जो टिप्पणी 'एडिटर्स गिल्ड' की याचिका पर की है उससे पत्रकारिता व सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों में ऐसी ऊर्जा का संचार

होगा जिससे वे अपने कार्य को और अधिक निष्ठापूर्वक कर सकेंगे और कोशिश करेंगे कि उनके लिखे में अधिकाधिक सत्यपरायणता व विवेकपूर्ण वस्तु निष्ठ विश्लेषण हों। पिछले दिनों गिल्ड ने भारतीय सेना के कहने पर अपना एक चार सदस्यीय प्रतिनिधीमंडल मणिपुर भेजा था जो राज्य की स्थिति का सही आंकलन करे और स्थानीय मीडिया द्वारा चलाई जा रही रिपोर्टों का भी अवलोकन करे। यह प्रतिनिधिमंडल मणिपुर गया और इसने अपनी रिपोर्ट प्रकाशित भी की। मगर रिपोर्ट छपने के बाद इन चारों सदस्यों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी गई। इस एफआईआर को निरस्त करने के लिए गिल्ड ने सर्वोच्च न्यायलय में जनहित याचिका दायर की। इस याचिका में उसने सदस्यों के खिलाफ दायर एफआईआर को निरस्त करने की प्रार्थना की है। इसकी सुनवाई करते हुए तीन न्यायमूर्तियों की पीठ के प्रमुख मुख्य न्यायाधीश टिप्पणी करते हुए कहा कि क्या किसी घटना के बारे में प्रकाशित रिपोर्टों के खिलाफ फौजदारी जाब्ता कानून 153ए के तहत मामला दर्ज किया जा सकता है। चूंकि रिपोर्टें विषयगत (सबजेक्टिव) होती हैं अतः उनमें त्रुटि हो सकती है। मगर ऐसी रिपोर्टें देशभर के अखबारों में छपती रहती हैं तो किस–किस के खिलाफ पुलिस मामले दर्ज किये जायेंगे? याचिका में मुकदमा मणिपुर उच्च न्यायालय से दिल्ली उच्च न्यायालय में स्थानान्तरित करने की भी प्रार्थना की गई है। यही सवाल सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण इस मामले में है कि 153ए जैसी संगीन दफा लगाने का औचित्य किस प्रकार बनता है? मणिपुर में दो जनजाती के लोगों के बीच जो खूनी संघर्ष विगत 3 मई से शुरू हुआ है वह अभी तक रुकने का नाम ही नहीं ले रहा है। पिछले सप्ताह भी लगभग सात लोगों की अलग– अलग मामले में हत्या हुई है। कुकी जोमी व मैतई समुदाय के लोग एक–दूसरे के कून के प्यासे बने हुए हैं। न्यायमूर्ति चन्द्रचूड ने सुनवाई करते हुए वादी पत्र से सवाल पूछा कि ''यदि यह मान लिया जाये कि जो रिपोर्ट छपी है वह सही नहीं है या त्रुटिपूर्ण है। मगर क्या किसी लेख में त्रुटिपूर्ण बयान करना कोई अपराध है? यह गलत या त्रुटिपूर्ण हो सकता है लेकिन देशभर में ऐसे लेख हर दिन प्रकाशित होते रहते हैं तो क्या आप पत्रकारों के खिलाफ 153 ए के तहत मुकदमें चलायेंगे''? मणिपुर में जैसे हालात अभी भी बने हुए हैं वे हकीकत में बहुत ही चिन्ताजनक हैं। अभी हाल ही में एक कुकी जोमी जनजाति के पुलिस इंस्पैक्टर की हत्या तब कर दी गई जबकि वह चार महीने पहले मैतई बहुल जिले विष्णुपुर से भाग कर कुकीमोजी बहुल जिले चूड़ा चन्द्रपुर में जाकर छिप गया था। मगर चार महीने बाद अपनी ड्यूटी करते हुए उसकी हत्या हो गई। विगत बुधवार को जब वह चूड़ा चन्द्रपुर और विष्णुपुर की सीमा के पास ड्यूटी दे रहा था तो गोली का निशाना बना दिया गया। मणिपुर में पुलिस थानों से चोरी किये गये हथियारों की बरामदगी अभी तक नहीं हो सकी है। यदि एडिटर्स गिल्ड के सदस्यों ने अपनी रिपोर्ट में दो जनजातियों के बीच रंजिश बढ़ने के कारणों पर प्रकाश डालने की कोशिश की तो कौन सा गुनाह कर डाला। अतः सर्वोच्च न्यायालय ने गिल्ड के सदस्यों को गिरफ्तार न करने का समय आगे के लिए बढ़ा दिया।

जन्मदिन का जश्न और परेशान जनता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार 17 सितम्बर को अपना 73 वां जन्मदिन बनाया। उनके पिछले जन्मदिन पर अफ्रीका से लाए गए 8 चीते मध्यप्रदेश के कूनो में छोड़े गए थे। हरेक चीते को लाने में 3 हजार डॉलर का खर्च आया। बाद में दूसरी खेप में भी चीते आए, लेकिन साल भर के भीतर एक के बाद एक चीतों की मौत पर अब चिंता का आलम है।

चीतों को लाने की योजना बरसों से बनी हुई है और उस पर अब अमल किया गया। हो सकता है इस फैसले को पूरी तरह से जांचा–परखा नहीं गया, तभी तो शायद चीतों को जिंदा रहने के लिए अनुकूल वातावरण नहीं मिला। चीते अगर 17 सितंबर की जगह किसी और तारीख को भी आते, तब भी उनका यही अंजाम होता। मगर प्रधानमंत्री इस मौके को अपने जन्मदिन पर भुनाने का मोह संवरण नहीं कर सके। उन्हें हर हाल में प्रचार चाहिए, फिर चाहे वो चीतों से हो या कन्वेंशन सेंटर के उद्घाटन से। दरअसल इस साल प्रधानमंत्री ने 17 सितंबर को दिल्ली के द्वारका में बने यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर का उद्घाटन किया। बताया जा रहा है कि इस सेंटर में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की मीटिंग, कांफ्रेंस, ट्रेड शो आदि के आयोजन के लिए विश्व स्तरीय सुविधाएं मिलेंगी। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने 30 हजार करोड़ की विश्वकर्मा योजना की शुरुआत की। बताया जा रहा है कि इससे पारंपरिक शिल्प और कारीगरी से जुड़े 30 लाख परिवारों को मदद मिलेगी। साथ ही श्री मोदी ने एक नए मेट्रो स्टेशन

का भी उद्घाटन किया। दिल्ली मेट्रो में सफर करते हुए आम यात्रियों के साथ उनकी सेल्फी वाली कई तस्वीरें भी सामने आई हैं।इससे पहले दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह के लिए भी प्रधानमंत्री ने अचानक मेट्रो से सफर किया था। खाली स्टेशन पर स्वचालित सीढ़ियों से अकेले उतरते श्री मोदी की तस्वीरें बहुत से लोगों को याद होंगी। अगले साल चुनाव होने वाले हैं और पिछले 9 सालों में चाय वाला, गरीब का बेटा और फकीर की चक्की खूब पीसी गई है, अब उससे और ज्यादा हासिल नहीं किया जा सकता, इसलिए खुद को आम आदमी जैसा दिखाने या बताने के लिए शायद प्रधानमंत्री अपनी महंगी गाड़ी की जगह मेट्रो में कभी–कभार दिखाई दे रहे हैं। ये शायद राहुल गांधी से मिल रही अघोषित चुनौती का असर भी हो सकता है। क्योंकि राहुल गांधी पिछले दिनों आम लोगों के बीच उन्हीं की तरह सवारी करते हुए पहुंच रहे हैं। भाजपा समर्थक अगर मोदी को महानायक बताने में लगे हैं तो राहुल गांधी के लिए जननायक जैसी पदवी गढ़ी जा चुकी है। लोकतंत्र के लिए जननायक की ही जरूरत होती है, महानायक की नहीं। बहरहाल, श्री मोदी प्रधानमंत्री हैं, तो उनके लिए यह सुरक्षा कारणों से संभव नहीं है कि वे ट्रक में या किसी स्कूटी के पीछे बिठाई दें। वैसे भी उन्हें विरोध से कितना डर लगता है इसका नमूना पिछले पंजाब चुनाव में दिख ही गया था, जब वे जरा से विरोध के कारण अपनी रैली रद्द करवा कर वापस लौट गए थे और साथ में संदेश दे दिया था कि मैं जिंदा लौट आया।श्री मोदी के जन्मदिन पर उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना की जा रही है। ऐसी ही कामनाएं उन सैनिकों के परिजन भी करते होंगे जो सीमा पर तैनात होकर देश की रक्षा कर रहे हैं। ऐसे ही तीन अधिकारी अभी जम्मू–कश्मीर में शहीद हुए। इधर अधिकारियों की शहादत हुई, उधर भाजपा कार्यालय में प्रधानमंत्री पर फूलों की बरसात कर इस बात के लिए उनका सत्कार किया गया कि उन्होंने जी–20 की सफल मेजबानी की। बड़ा नेता यानी महानायक तो वो होता है, जो ऐसे टीम वर्क का श्रेय खुद न लेकर अपने साथियों और छोटे से छोटे कर्मचारियों को दे।भाजपा अगर उनका स्वागत करती, तो कोई सवाल नहीं उठते। लेकिन अधिकारियों की शहादत के मौके पर प्रधानमंत्री ने अपना स्वागत करवाया तो उन पर संवेदनहीन होने का आरोप लगा। ये आरोप भी मिट जाता, लेकिन फिर अगले ही दिन मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री ने फिर बड़े तामझाम के साथ सरकारी योजनाओं का उद्घाटन किया। उत्सवों का यह सिलसिला अब रोका जा सकता था, लेकिन रविवार को फिर करोड़ों का खर्च करके उद्घाटन जैसे कार्यक्रम हुए और प्रधानमंत्री सहर्ष इसमें शामिल हुए। वे चाहते तो कह सकते थे कि अभी हमारी माटी फिर शहीदों के खून से लाल हुई है, इसके दाग अभी छूटे नहीं हैं, इसलिए मैं अपना जन्मदिन नहीं मनाऊंगा। लेकिन श्री मोदी फिर चूक गए। उन्होंने शहीदों की याद में ही अपनी माटी, अपना देश कार्यक्रम पिछले महीने शुरु किया और इतनी जल्दी उस कार्यक्रम पर मिट्टी डाल दी।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन से दो दिन पहले हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का जन्मदिन था, जिस पर उन्होंने साफ कह दिया था कि वे शहीदों की याद में कोई जश्न नहीं करेंगे, सादगी से जन्मदिन मनाएंगे।

किसान आंदोलन के वक्त 3 जनवरी 2021 को दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने भी अपने जन्मदिन का जश्न रद्द किया था कि किसान कड़कती ठंड में खुले आसमान के नीचे बैठे हैं, शहीद हो रहे हैं, तो मैं जन्मदिन कैसे मनाऊं। गलवान में भारतीय सैनिकों की शहादत के बाद राहुल गांधी ने भी अपना जन्मदिन नहीं मनाया था। ऐसी अनेक मिसालें देखी जा सकती हैं। लेकिन श्री मोदी आत्ममुग्धता और प्रचार की नयी मिसालें गढ़ने में लगे हुए हैं।जम्मू–कश्मीर में शहीद हुए मेजर आशीष धौंचक के परिजनों ने सरकार से सेना के लिए बुलेटप्रुफ वर्दी की मांग की है, क्योंकि दो गोलियां लगने के बावजूद आतंकियों से भिड़ने वाले मेजर धौंचक की मौत इसलिए हुई, क्योंकि उनके पास बुलेटप्रुफ वर्दी नहीं थी। क्यों नहीं थी, इसका कारण सरकार और सेना ही बता सकती है। अगर वित्तीय समस्या के कारण हमारे सैनिक कम संसाधनों के साथ मोर्चे पर तैनात हैं, तो फिर सवाल उठता है कि सरकार की प्राथमिकता क्या है, विश्व स्तरीय सम्मेलन कक्ष या फिर सैनिकों के लिए बुलेट प्रुफ वर्दी। एक खबर और आई है कि इसरो के चंद्रयान अभियान के लिए लॉच पैड बनाने वाले 2,800 कर्मचारियों को बीते 18 महीने से वेतन नहीं मिला है। रांची के धुर्वा स्थित हैवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचईसी) के अधिकतर कर्मचारी वेतन न मिलने से फाकाकशी को मजबूर हो चुके हैं। बीबीसी की खबर है कि कर्ज में डूबे कई कर्मचारी चाय या इडली बेचकर अपना गुजारा कर रहे हैं। एचईसी केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रम है, और भारी कर्ज में है। पिछले पांच सालों से लगातार घाटे में है। लेकिन सरकार को न घाटे की परवाह है, न आर्थिक दिक्कतें झेल रहे कर्मचारियों की। प्रधानमंत्री अगर अपने जन्मदिन पर देश के परेशान लोगों की सुध लेते, तो शायद इससे सही संदेश जनता में जाता।

द्रमुक नेताओं के बयानों ने इडिया के लिए खड़ी की बड़ी मुसीबत

तुष्टिकरण की राजनीति के तहत जब भी किसी दल ने भारतीय सभ्ध्यता और संस्ध्कृति पर बेजा टिप्पणियां कीं, उनकी हिंदू समाज के साथ भाजपा ने निंदा की। हिंदुत्व तो भाजपा के डीएनए में है। इसी कारण उसने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए शुरू किए गए आंदोलन का खुलकर समर्थन किया। भाजपा विरोधी दल भले ही अपने एजेंडे के तहत हिंदुत्व को कठघरे में खड़ा करते रहे हों, लेकिन भाजपा ने उससे कभी समझौता नहीं किया। उसने उसे राजनीतिक चश्मे से भी नहीं देखा। राम मंदिर का निर्माण भाजपा का उसी तरह कोर एजेंडा रहा, जैसे समान नागरिक संहिता। इस पर आश्चर्य नहीं कि अयोध्या में राम मंदिर का भव्य निर्माण सुनिश्चित करने के बाद भाजपा अब समान नागरिक संहिता की पैरवी कर रही है।

संजय गुप्त

तमिलनाडु के मुख्य मंत्री एमके स्टालिन के बेटे और मंत्री उदयनिधि स्ध्टालिन ने सनातन धर्म को डेंगू और मलेरिया बताते हुए यह जो कहा कि उसका विरोध नहीं, बल्कि पूरी तरह खात्मा कर दिया जाना चाहिए, उस पर भाजपा के साथ हिंदू संगठनों की तीखी प्रतिक्रिया होनी ही थी। इसके बाद भी वह अपने बयान पर कायम हैं। उदयनिधि के बाद उन्हीं की पार्टी यानी द्रमुक के एक अन्य नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री ए. राजा ने सनातन धर्म को एड्स और कुष्ठ रोग जैसा करार दिया। उन्होंने यह भी कहा कि सनातन धर्म केवल भारत के लिए ही नहीं, पूरी दुनिया के लिए खतरा है। आश्चर्य यह है कि एमके स्टालिन समेत द्रमुक के अन्य नेता उदयनिधि के बयान को सही ठहरा रहे हैं। साफ है कि इसके चलते यह मुद्दा शांत होने वाला नहीं। उदयनिधि के बेतुके और भड़काऊ बयान का संज्ञान खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लिया और यह कहा कि इसका समुचित जवाब दिया जाना चाहिए। उन्होंने बीते दिनों मध्य प्रदेश में एक सभा को संबोधित करते हुए विपक्षी दलों के गठबंधन आइएनडीआइए पर यह कहते हुए प्रहार किया कि यह गठजोड़ भारत की उन परंपराओं, विचारों और संस्कृति को खंड–खंड करना चाहता है, जिसने हजारों वर्षों से देश को जोड़े रखा है। प्रधानमंत्री ने सनातन धर्म के अपमान को आइएनडीआइए का गुप्त एजेंडा बताते हुए यह भी याद दिलाया कि गांधी जी ने किस तरह सनातन संस्कृति का सहारा लेकर आजादी की लड़ाई लड़ी। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि जिस सनातन को महात्मा गांधी ने जीवन पर्यंत माना और जिस सनातन ने उन्हें अस्पृश्यता के खिलाफ आंदोलन चलाने के लिए प्रेरित किया, उसे आइएनडीआइए के लोग समाप्त करना चाहते हैं। द्रमुक कांग्रेस का सहयोगी दल ही नहीं, आइएनडीआइए का एक प्रमुख घटक है। द्रमुक नेताओं के सनातन धर्म विरोधी आपत्तिजनक बयानों ने इस गठबंधन के लिए एक बड़ी मुसीबत खड़ी कर दी है। कुछ घटक दलों ने द्रमुक नेताओं के बयानों से असहमति जताई है, लेकिन कांग्रेस ने केवल इतना ही कहा, श्हम सभी धर्मों को साथ लेकर चलते हैं। किसी धर्म को कमतर नहीं करना चाहिए। संविधान भी इसकी अनुमति नहीं देता और कांग्रेस सर्वधर्म समभाव में विश्वास करती है। कांग्रेस के नेता उदयनिधि और ए. राजा के बयानों की आलोचना नहीं कर सके। यह किसी से छिपा नहीं कि भाजपा जनसंघ के समय से ही हिंदुत्व को प्रमुखता देती रही है। वह हिंदुत्व को भारतीयता का पर्याय मानती है और जब कभी हिंदुत्व को लेकर कहीं कोई अनुचित बयान दिया गया तो उसने उसका खुलकर विरोध किया। कांग्रेस और आइएनडीआइए के घटक इससे अवगत हैं कि अतीत में हिंदुत्व या हिंदू संस्कृति पर बेतुके बयान देने वालों को राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ा है, लेकिन वे उदयनिधि की आलोचना नहीं कर पा रहे हैं। तुष्टिकरण की राजनीति के तहत जब भी किसी दल ने भारतीय सभ्ध्यता और संस्ध्कृति पर बेजा टिप्पणियां कीं, उनकी हिंदू समाज के साथ भाजपा ने निंदा की। हिंदुत्व तो भाजपा के डीएनए में है। इसी कारण उसने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए शुरू किए गए आंदोलन का खुलकर समर्थन किया। भाजपा विरोधी दल भले ही अपने एजेंडे के तहत हिंदुत्व को कठघरे में खड़ा करते रहे हों, लेकिन भाजपा ने उससे कभी समझौता नहीं किया। उसने उसे राजनीतिक चश्मे से भी नहीं देखा। राम मंदिर का निर्माण भाजपा का उसी तरह कोर एजेंडा रहा, जैसे समान नागरिक संहिता। इस पर आश्चर्य नहीं कि अयोध्या में राम मंदिर का भव्य निर्माण सुनिश्चित करने के बाद भाजपा अब समान नागरिक संहिता की पैरवी कर रही है। उसका मानना है कि समान नागरिक संहिता का निर्माण तुष्टिकारण की राजनीति का खात्मा करेगा और देश में एकता का भाव जगाएगा। यह भाजपा की हिंदुत्व के प्रति प्रतिबद्धता का ही परिणाम रहा कि समय–समय पर उसके विरोधी दलों ने हिंदू समाज को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए नरम हिंदुत्व का सहारा लिया और राम मंदिर पर आए फैसले का स्वागत किया। पिछले लोकसभा चुनाव के बाद से तो कांग्रेस भी स्वयं को हिंदुत्व से जोड़ती दिखी। राहुल गांधी मंदिरों में जाते और पूजा–पाठ करते दिखे।

11 हजार वोल्टेज बिजली का तार गिरने से से भैंस मरी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

1–जौनपुर। तेजीबाजार थाना क्षेत्र के बंगालीपुर गांव निवासी कृष्ण कुमार गौतम की भैंस रात में 11 हजार वोल्टेज बिजली के तार की चपेट में आने से मौत हो गई सजहां भैंस बंधी गई थी बगल से बिजली का तार ऊपर से गुजर रहा था रात में तार कट के गिर गया और बिजली की चपेट में आने से तुरंत ही भैंस की मौत हो गई सभैंस की कीमत लगभग ध50 हजार थीस सूचना पाकर पहुंचे बिजली विभाग लाइनमैन ने तार को हटाया स

बार बार जल रहा ट्रांसफार्मर लोग परेशान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर मछलीशहर। नगर के सिन्हा रोड पर लगा 400 केवीए का ट्रांसफार्मर बार बार जल रहा है। घटना के पीछे अधोमानक मरम्मत का होना है अथवा ओवरलोडिंग के कारण समस्या आ रही है।विभागीय अधिकारी घटना के कारण को लेकर मौन है। हर बार ट्रांसफार्मर बदलते रहते है।

नगर के सिन्हा रोड पर स्थित ट्रांसफार्मर लगातार जल रहा है।गत मंगलवार को जलने के बाद लगा ट्रांसफार्मर बुधवार को जल गया।फिर बुधवार की रात में दूसरा ट्रांसफार्मर लगाया गया जो गुरुवार को सुबह जल गया।फिर शनिवार को ट्रांसफार्मर लगाया गया वह सोमवार की शाम को जल गया है।इस भीषण गर्मी में 4 वार्डों के सैकरो परिवार बीते मंगलवार की शाम से ही परेशान है। नगर वासी इस बात को लेकर परेशान हैं कि आखिर लगातार ट्रांसफार्मर जलने का कारण ओवर लोडिंग है या रिपेयरिंग की कमी के कारण समस्या आ रही है।अधिकारी समस्या को लेकर मौन साधे हुए हैं। ट्रांसफार्मर जलने पर बदलवा कर अपने कर्तव्य की इति श्री कर लेते हैं। नागरिकों ने स्थाई निदान करने की मांग उठाई है।

विद्यालय में लगभग दस हजार सामान की चोरी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर बरसठी थाना क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय पट्टीबैरी की सोमवार रात को चोर ने दरवाजा का तालातोड़कर विद्यालय में रखा सामान उठा ले गये,चोरी की सुबह जानकारी होने पर सूचना पुलिस को दिया गया।और चोरी गए सामान की कीमत दस हजार रुपये बताया गया।

विद्यालय एकांत स्थान पर है उसी का फायदा उठाकर चोर ने रात को विद्यालय का तालातोड़कर अंदर घुसे और खेल का सामान, टोप,20 थाली, 5 कुर्सी,व अन्य सामान उठा ले गये। सुबह विद्यालय आने के बाद। प्रधानाध्यापक, रामप्रकाश दुबे को इसकी जानकारी हुई और प्रधान राजाराम के साथ थाना पर पहुचकर चोरी की सूचना दिये। बरसठी क्षेत्र में इन दिनों चोरी की घटना चरम पर है किसी घटना का पुलिस न तो चोर को गिरफ्तार किया और न ही प्राथमिक दर्ज करती है इसी के कारण चोरी की घटना बढ़ रही है।

पुराने कुंए में महिला का शव मिलने से मचा हड़कंप

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर सिकरारा थान क्षेत्र के निजामुद्दीनपुर (निमिनदीपुर)गांव के सिवान स्थित पुराने कुंए में मंगलवार दोपहर अज्ञात महिला का शव मिलने पर क्षेत्र में हड़कंप मच गया।सूचना मिलने पर पहुँची पुलिस शव निकलवाकर जांच में जुट गई।

उक्त गांव की दुबे बस्ती के ताल क्षेत्र में गांव के कुछ लोग धान के खेत से घास निकाल रहे थे।उन लोगों को किसी सड़ी चीज की दुर्गंध महसूस हुई तो उनकी निगाह घास फूस व झाड़ियों से घिरे पुराने कूएँ की तरफ गई। सन्देह होने पर लोगों ने उक्त कुएं में झांक कर देखा तो लोगों को किसी का शव उतराया दिखा।इस बात की खबर ग्रामीणों को लगी तो वहां सन सनी फैल गई।देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ जुट गई।पुलिस को सूचना दी गई।मौके पर पहुंची पुलिस शव निकलवाकर थाने लाई।उक्त सन्दर्भ में थाना प्रभारी दिव्य प्रकाश सिंह ने बताया कि शव काफी सड़ गया था। लगभग 45 वर्षीय वह महिला साड़ी पहने हुईं थी।उक्त महिला की शिनाख्त कराने का प्रयास किया जा रहा है। सूचना पर क्षेत्राधिकारी सदर संत प्रसाद उपाध्याय भी थाने पहुँचकर मामले की तहकीकात में जुट गए।

दिव्यांग, मुसहर व प्राकृतिक आपदा से प्रभावित 68 लाभार्थियों को विधायक के हाथों दिया गया स्वीकृत प्रमाण पत्र।

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर धर्मापुर ब्लॉक के शहीद हाल में आयोजित मुख्यमंत्री आवास के स्वीकृत पत्र वितरण कार्यक्रम में सत्तर लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। ब्लॉक के शहीद हाल में मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंर्तगत ब्लॉक क्षेत्र के विभिन्न ग्राम पंचायतों से आये दिव्यांग, मुसहर व प्राकृतिक आपदा से प्रभावित 68 लोगो को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक जफरबाद जगदीश नारायण राय ने स्वीकृत प्रमाण पत्र वितरित किया। इस दौरान प्रमाण पत्र पाकर लाभार्थियों के चेहरे खिल उठे। बीडीओ धर्मापुर कृष्ण मोहन यादव ने बताया कि प्रमाण पत्र वितरण के दौरान ही मुख्यमंत्री आवास की पहली किश्त 40000 रुपये लाभार्थी के खाते में भेज दिया जा रहा है। इस दौरान डीसी मनरेगा सुशील कुमार, ब्लॉक प्रमुख विमलेश यादव, भाजपा मंडल अध्यक्ष राधेश्याम विश्वकर्मा, बीडीओ कृष्ण मोहन यादव, ओम प्रकाश यादव, ग्राम प्रधान नरेंद्र यादव, अनिल यादव फौजी, जय हिंद यादव, विनोद यादव, उमेश सोनकर, अखिलेश कुमार, राकेश यादव, अरविंद यादव, माता प्रसाद, बेलाल आदि मौजूद रहे।

रेलवे के सामान के साथ एक धराया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के केशवपुर स्तिथ यादवेंद्र नगर रेलवे स्टेशन के पास से बीती रात पुलिस ने रेलवे के सामान के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर जेल भेजा थानाध्यक्ष रमेश कुमार और चौकी इंचार्ज गौरा रामजी सैनी बीती रात गश्त कर रहे थे तभी मुखबिर की सूचना मिली कि एक युवक रेलवे का सामान चोरी कर के ले जा रहा है पुलिस एक युवक को गिरफ्तार किया जिसके पास से रेलवे की चार प्लेट बरामद हुई पकड़े गए युवक ने अपना नाम अंशुमान उर्फ सप्पू कुमार निवासी बैजापुर थाना गौराबादशाहपुर जौनपुर बताया पुलिस ने उक्त युवक को चलान कर जेल भेजा।

ऊंच-नीच की बात करने वालों को बदलना चाहिए नजरिया

संवाददाता

लखनऊ। मुंबई के मराठा मंदिर सिनेमा में फिल्म पंच कृति फाइव एलीमेंट्स की स्क्रीनिंग अव्यवस्थित हो गई, जिससे बॉलीवुड माफिया और फिल्म के निर्माताओं के बीच दरार के बारे में सवाल उठने लगे। एडिटर कोमल मेहता द्वारा जारी फिल्म इनफॉर्मेशन की वेबसाइट पर दी गई।

सरकारी भूमि की मिट्टी निकालने की शिकायत पर ट्रैक्टर सहित जे सी बी सीज

कोतवाली क्षेत्र के घघरिया गांव में पहुचे तहसीलदार ने ट्रैक्टर सहित जे सी बी को लिया कब्जे में

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर मछलीशहर–कोतवाली क्षेत्र के ग्राम घघरिया में खलिहान खाते की भूमि की मिट्टी जे सी बी से अवैध तरीके से खोदकर ले जाने की सूचना पर मौके पर पहुंचे तहसीलदार अजीत कुमार ने ट्रैक्टर सहित जे सी बी को अपने कब्जे में लेकर कोतवाली पुलिस को सुपुर्द किया है।पुलिस ने दो ट्रैक्टर और जे सी बी को सीज किया है। सोमवार शाम को उक्त गांव के ग्रामीण ने उपजिलाधिकारी राजेश कुमार चौरसिया को सूचना दिया कि गांव का एक युवक खलिहान की भूमि से अवैध खनन करवा रहा । जे सी बी संचालक सौ रुपए प्रति ट्राली उक्त युवक को देकर मिट्टी खोदकर मतरी में ले जाकर गिरा रहा है।उक्त सूचना को गंभीरता से लेते तहसीलदार को मौके पर भेजा। हल्का लेखपाल शेर बहादुर सरोज और हल्का दरोगा इष्टदेव पाण्डेय के साथ मौके पर पहुंची प्रशासनिक टीम ने अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए जे सी बी और दोनो ट्रैक्टर को कब्जे में ले लिया।कोतवाली पुलिस ने उक्त सामान सीज कर दिया है। मामले में उपजिलाधिकारी राजेश कुमार चौरसिया का कहना है कि रात में प्रकरण में वांछित सभी का पता नही चल सका था। लेखपाल को मामले में जानकारी प्राप्त करने का निर्देश दिया गया है। रिपोर्ट मिलते ही मुकदमा दर्ज किया जायेगा।

जल्द ही शुरू होगा आधुनिक शवगृह, एक साथ आठ शवों को रखने की व्यवस्था

गर्मी में फ्रीजर में रखे जाएंगे शव,व्यवस्थाओं के लिए सरकार के पास भेजे गए प्रस्ताव

114.65 लाख रुपए से निर्मित हुआ है आधुनिक चीरघर

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के लोगो को जल्द ही सिद्दीकपुर में बन रहे आधुनिक चीरघर की सौगात मिलेगी जहां पर शव रखने के साथ–साथ आधुनिक व्यवस्थाओं का इंतजाम स्वास्थ्य विभाग के द्वारा किया जा रहा है। सभी जरूरत की चीजों के लिए स्वास्थ्य विभाग की तरफ से प्रस्ताव बनाकर सरकार को भेज दिया गया है।

सिद्धिकपुर में बन रहे आधुनिक चीरघर का निर्माण स्वास्थ्य विभाग के द्वारा कराया जा रहा है जिसका निर्माण कार्यदाई संस्था राजकीय निर्माण निगम के द्वारा कराया गया। 114.65 लाख रुपए से आधुनिक चीरघर का निर्माण काम पूरा हो चुका है जल्द ही इसे हैंड ओवर कर शव के पोस्टमार्टम की व्यवस्था में बदलाव किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के द्वारा शासन स्तर पर उपकरण के लिए डिमांड की मांग की गई है।

बीते 3 साल से राजकीय निर्माण निगम का निर्माण करा रहा था जो अब पूरा हो चुका है। पहले शव को पोस्टमार्टम कराने के लोगों को पछटिया जाना पड़ता था। जिसको बाद में शासन स्तर से जमीन स्वीकृत कर मेडिकल कॉलेज के कैंपस में ही आधुनिक चीरघर का निर्माण कराया गया। जिसमें एक साथ 8 शव को रखने की व्यवस्था के साथ–साथ पुलिस रूम,काउंसलिंग रूम तथा डॉक्टर कक्ष का निर्माण कराया गया है। इस आधुनिक चीरघर में 24 घंटे व्यवस्थाएं उपलब्ध रहेंगी जिसमें 4 डॉक्टर के साथ–साथ दो फरमासिस्ट की भी नियुक्ति की जाएगी। गर्मी के लिए फ्रीजर की व्यवस्था की जाएगी जिससे किसी प्रकार की गंदगी ना हो सके। तथा आधुनिक चीरघर में बिसरा की भी नियुक्ति की जाएगी जिससे किसी भी आपत्ति पर पुनः जांच कराई जा सके। आधुनिक चीरघर भवन पूरी तरीके से बनकर तैयार है जिसके लिए प्रचार–प्रसार भी किया जा रहा है। शासन स्तर से स्वीकृति मिलने के बाद तथा उपकरण मिलने के बाद जल्द ही इसकी शुरुआत कर दी जाएगी।

इस मामले में जेई जिया राम सोनकर ने बताया कि इसे हैंडोवर कर दिया गया है उपकरण और मानव संसाधन की वजह से चालू करने में लेट लतीफ हो रहा है।लेकिन प्रयास किया जा रहा है कि जल्द से जल्द से चालू किया जा सके।

एसएमएस के निदेशक प्रशासन एवं प्रवेश के पद पर प्रोन्नत हुए डा. जगदीश सिंह

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। 'प्रशासन क्षेत्र के कुछ अधिकारियों की कार्यशैली से पद भी गौरवान्वित होते हैं। यह बात विनोबा विचार प्रवाह के सूत्रधार रमेश भइया ने कही। विनोबा सेवा आश्रम के संस्थापक जमनालाल बजाज पुरुस्कार से सम्मानित रमेश भइया ने कहा कि वैसे तो देश में कर्नाटक केरल रेशम का प्रदेश जाना जाता है। सौभाग्य से उत्तरप्रदेश के रेशम सचिव डा जैकब थामस मूलतः केरल के ही रहने वाले थे. जौनपुर जिले के रहने वाले कृषि क्षेत्र में प्रख्यात विशेषज्ञ डा जगदीश सिंह रेशम के एक ऐसे विशेष अनुभवी अधिकारी थे ।हालांकि कहने को तो वह बहराइच के सहायक निदेशक रेशम हुआ करते थे लेकिन उनको रेशम के क्षेत्र का ज्ञान सम्पूर्ण प्रदेश का भरपूर था। विनोबा सेवा आश्रम ने डा आर एस टोलिया जी के साथ महिला डेरी का कार्यक्रम बहुत ही सफलतापूर्वक पूरा कर दिखाया तो महिला एवं बाल विकास भारत सरकार के साथ हुई चर्चा के मुताबिक डा जैकब थामस सचिव रेशम विभाग ने महिला रेशम परियोजना की संकल्पना वहां प्रस्तुत की जो भारत सरकार द्वारा स्वीकृत की गई उत्तरप्रदेश में रेशम के उत्पादन को 40 से 400 टन उत्पादन का लक्ष्य लिया गया क्योंकि बनारस में सिल्क की खपत इतनी थी। उसको पूरा करने के लिए महिला रेशम परियोजना जिसकी कार्यान्वयन लिंक एजेंसी विनोबा सेवा आश्रम तथा प्रथम निदेशक महिला रेशम में पिता तुल्य डा जगदीश सिंह जी को बनाया गया। जब उत्तरप्रदेश से अलग होकर उत्तराखंड राज्य बना तो रेशम विभाग के निदेशक के रूप में डा टोलिया साहब के मार्गदर्शन में डा जगदीश सिंह ने काम किया। इस बीच अनेक मुख्य सचिव उत्पल कुमार सिंह श्री राकेश शर्मा और विशेष कर विभा पुरी दास जी के साथ काम करने का मौका मिला। जिस दिन वहां से डा जगदीश सेवा निवृत हुए उसके दूसरे दिन डा जैकब थामस के सौजन्य से डा जगदीश सिंह को स्कूल आफ मैनेजमेंट साइंसेज लखनऊ जिसमें विभिन्न आयाम के तीन हजार से ज्यादा छात्र पढ़ते हैं ऐसे संस्थान में प्रशासक के पद पर नियुक्त हो गए। लगभग आठ वर्षों के बाद आज डा जगदीश सिंह जी को प्रबंधतंत्र ने 'क्पतमबजवत (।कउपदपेजतंजपवद – ।कउपेपवद) "बीववस व िडंदंहम. उमदज"बपमदबमे, स्नबादवू' के पद पर प्रोन्नति देकर बहुत बड़ा दायित्व सौंपा है। इस बीच में विनोबा विचार प्रवाह परिवार के अनेक साथियों के शिक्षण सत्र भी संस्थान में जे पी शर्मा , आभा भारद्वाज और संजीव जैन जी के माध्यम से व्यक्तित्व विकास हेतु कराए गए साथ ही साथ संस्थान की कुछ समितियों में भी विनोबा सेवा आश्रम परिवार को सदस्य नामित किया गया। विनोबा विचार प्रवाह परिवार का विश्वास है कि डा जगदीश सिंह आज जिस जिम्मेदारी को संभालने जा रहे हैं।अच्छे ढंग से करके बराबर आगे बढ़ते जायेंगे। ईश्वर उन्हें खूब सफलता देकर संस्थान को प्रगति पथ पर बढ़ाए। विनोबा सेवा आश्रम की संरक्षक विमला बहन ने प्रसन्नता व्यक्त की।

डॉ विनोद कुमार को मिली डाक्ट्रेट की मानद उपाधि

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। संयुक्त राज्य अमेरिका के सेंट्रल क्रिश्चियन विश्वविद्यालय द्वारा लखनऊ के डॉक्टर विनोद कुमार यादव को ट्रेडिशनल हेल्थ केयर विषय में डॉक्टर (पी. एच. डी) की मानद उपाधि प्रदान की गई स यह उपाधि उन्हें भारत के गोवा राज्य के यूटोरडा स्थित रॉयल ऑर्किड वी. रि.में विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दीक्षांत समारोह में प्रदान की गई स आपको बताते चलें कि डॉ विनोद कुमार यादव उत्तर प्रदेश में ट्रेडिशनल हेल्थ केयर के क्षेत्र में एक जाना पहचाना नाम है स वर्षों से इस क्षेत्र में काम करने के कारण पहले भी उन्हें लखनऊ समेत कई शहरों में कई बार सम्मानित किया जा चुका है स विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दीक्षांत समारोह में गोवा के भूतपूर्व मुख्यमंत्री माननीय श्री दिगंबर वी कामत मुख्य अतिथि रहे स कार्यक्रम में उपस्थित अन्य माननीय लोगों में डॉक्टर सेबेस्टियन मेंडेस उपकुलपति यूरो एशियन यूनिवर्सिटी, ब्रिगेडियर राजीव चौहान,डॉक्टर ओमकार कुलकर्णी तथा श्रीनिवास गोपालन मुख्य रूप से उपस्थित थे स उनकी इस उपाधि पर लखनऊ के अनेक बुद्धिजीवी लोगों ने बधाइयां दी स जिनमें समाज सेवी रामानंद सैनी, योग गुरु केडी मिश्रा, डॉक्टर अरुण कुमार भरारी,राकेश प्रताप सिंह, मंजू सैनी, रामकुमार यादव, डॉ पुष्पा यादव, डॉ एल के राय, लाल जी पाल व सुनील पाल मुख्य थे।

टीडीएमसी इंटर कॉलेज राजेपुर,धर्मापुर,जौनपुरके बच्चे ताइक्वांडो के जिला स्तरीय प्रतियोगिता में जीते गोल्ड, सिल्वर तथा ब्रॉन्ज मेडल के साथ सर्टि फिकेट किया स्कूल का नाम रोशन

जौनपुर ब्यूरो । टीडीएमसी इंटर कॉलेज राजेपुर,धर्मापुर,जौनपुरके बच्चे ताइक्वांडो के जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लिए तथा अच्छा प्रदर्शन करके गोल्ड, सिल्वर तथा ब्रॉन्ज मेडल के साथ सर्टि फिकेट भी प्राप्त किया। ताइक्वांडो के प्रशिक्षक श्री संजय पाल तथा टीडीएमसी स्कूल के चेयरमैन डॉ०(कैप्टन) इंद्रजीत सिंह ने बच्चों को उनके द्वारा प्राप्त मेडल व प्रमाण पत्र को उनके बीच वितरित किया । चेयरमैन ने अपने उद्‌बोधन में ताइक्वांडो के इतिहास, उद्देश्य तथा उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कराटे, कुंग फू ,ताइक्वांडो आदि मार्शल आर्ट (Martial Art) के ही रूप है । इसके अंदर लड़ाई से जुड़े सभी स्पोर्ट्स आते हैं। इस शब्द का अर्थ है युद्ध कला यह लैटिन शब्द है जिसका अर्थ है ष्मार्स की कलाष् रोमन के भगवान मार्स, युद्ध के देवता माने जाते हैं।

1– ष्कराटेष् का आविष्कार जापान में हुआ इसका प्रमुख फोकस होता है कि युद्ध के समय शरीर को पत्थर की तरह मजबूत कर लेना जिससे किसी भी तरह के दर्द का एहसास ना हो।

2– ष्कुंग फूष् का आविष्कार चौथी शताब्दी में चीन में हुआ। इसका अर्थ है की सफलताओं को पाने की इंसान के अंदर लगन या तीव्रता। इसमें ड्रैगन, मेंढक, घोड़ा और सांप जैसे जानवरों की चालाकी और चाल को अपनाकर युद्ध के दौरान विपक्षी को ज्यादा नुकसान पहुंचाना तथा अपना संतुलन भी बनाए रखना ।

3– ताइक्वांडो का आविष्कार कोरिया में 37 ईसा पूर्व से 668 के बीच हुआ। आज करीब 184 देश इस मार्शल आर्ट को अपना रहे हैं ।

उप प्रधानाचार्या समीर जमाल ने सभी बच्चों को आशीर्वाद दिया तथा इस कार्यक्रम के सफल संचालन में अपनी भागीदारी निभाई। इस कार्यक्रम में स्कूल के समस्त शिक्षिकाऐं, शिक्षक तथा छात्रा व छात्राऐं उपस्थित रही।

भीड़ मे बाइक टकरा जाने के विवाद मारपीट में आठ घायल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर खेतासराय थाना अंतर्गत मंगलबार को नगर के दीदारगंज रेलवे फाटक पर पर हुई कहासुनी को लेकर क्षेत्र त्र के जमदहां गांव में दोनों पक्षों मे मारपीट हो गईं । जिसमें दोनों पक्षों से आठ लोगों को चोटें आई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

जानकारी के अनुसार क्षेत्र के जमदहां निवासी किसान यादव अपने साथी खेतासराय निवासी राजेश के साथ बाइक से अपने घर जा रहा था। नगर के दीदारगंज रेलवे क्रासिंग का गेट बंद होने से गेट के पास भीड़ थी। उसकी बाइक की डिग्गी गेट के पास खड़े दूसरे युवक की बाइक से हल्का टकरा गई। जिसे लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया। गेट खुलने के बाद जमदहां रामलीला मैदान के पास पहुंचने पर दोनों पक्ष फिर भिड़ गए। जिसमें एक पक्ष से अरुण गुप्ता 18, किसान यादव18, राजेश यादव29 तथा दूसरे पक्ष से नफीस32, सलमान38, अनस18, औरंगजेब40, सहजेब 19 को चोटें आई। पुलिस ने घायलों का पीएचसी सोंधी में मेडिकल जांच कराया।

प्रभारी निरीक्षक राजेश यादव ने बताया की जमदहा मे दोनो पक्षों की तहरीर के आधार पर मारपीट का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है । अग्रिम विधिक कारवाई की जा रही है।

जौनपुर की शान और पहचान बनेगी राणा प्रताप की मूर्ति

1–कलीचाबाद तिराहे पर स्थित पार्क में सदस्यों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ किया भूमि पूजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। राजपूत सेवा समिति द्वारा कलीचाबाद तिराहे पर स्थित पार्क में बीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की स्थापित होने वाली वाली गन मेटल की भव्य मूर्ति के लिए मंगलवार को वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भूमि पूजन किया गया। लोगो ने उनके जीवन गाथा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके त्याग, बलिदान और राष्ट्र प्रेम को युवाओ को अपने जीवन में उतारना चाहिए।

समिति के सदस्यों ने बताया कि पार्क में स्थापित होने वाली गन मेटल की भव्य मूर्ति की कुल ऊचाई जमीन से 19 फिट होगी। छह फिट के चबूतरा पर तेरह फिट की ऊँची मूर्ति स्थापित की जाएगी। गन मेटल की मूर्ति की लागत लगभग चालीस लाख रुपया बताया जा रहा है। राजस्थान के जयपुर धूप संगमरमर प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी के प्रसिद्ध कलाकारो द्वारा बनाई जा रही महाराणा प्रताप की भव्य मूर्ति का चबूतरा मकराना के प्रसिद्ध मारवल पत्थर व दक्षिण भारत का काला ग्रेनाइट का रहेगा। दिन में दस बजे से ही सिविल इंजिनियर जनार्दन श्रीवास्तव की टीम ने स्थान का चयन किया। एक घंटे बाद समिति के सदस्यों द्वारा चयनित स्थान पर विधि विधान से पूजन अर्चन कराया गया। विद्वान ब्राह्मण ओम प्रकाश शुक्ल ने मंत्रोच्चारण किया। ओम प्रकाश सिंह ने फावड़ा से मिट्टी की खुदाई कर भूमि पूजन की शुरुआत किया।

इस अवसर पर साघन सहकारी बैंक के चेयरमैन पूर्व मंत्री कुंवर वीरेंद्र प्रताप सिंह, डा. दिनेश सिंह बब्बू, डा. एन. के. सिंह, अधिवक्ता वीरेंद्र प्रताप सिंह, जौनपुर पत्रकार संघ के जिलाध्यक्ष शशिमोहन सिंह क्षेम, रत्नाकर सिंह, पूर्व प्रमुख ओम प्रकाश सिंह, अजीत सिंह, रवीन्द्र प्रताप सिंह, शशि सिंह, डा. नबाब सिंह, सिद्धार्थ सिंह, अमर बहादुर सिंह बच्चा, प्रदीप सिंह सफायर, सर्वेश सिंह, डा. राकेश सिंह ल, डा. इंद्र सिंह, डा. संजय सिंह, डा. विकास सिंह, मुन्ना सिंह, संजय सिंह विसेन, वेद प्रकाश सिंह, राघवेन्द्र सिंह, रजनीश सिंह, धर्मेंद्र सिंह, मुन्ना सिंह, सौरभ सिंह, घनश्याम सिंह, विनोद सिंह, चेतन सिंह सहित भारी संख्या में सदस्य मौजूद रहे।

बॉलीवुड थीम पर मोना बकेर्स द्वारा थम के बरस सीजन 2 कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

लखनऊ, मोना बकेर्स द्वारा थम के बरस सीजन 2 का आयोजन कंफर्ट इन होटल गोमती नगर में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन समाज सेविका , शेफ मोना बेकर्स की ओनर मोनिका सिंह और अजीत सिंह द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एमएलसी पवन सिंह चौहान गेस्ट ऑफ ऑनर लोकप्रिय समाज सेविका भाजपा नेत्री अपर्णा यादव व लखनऊ की मशहूर आईवीएफ डॉ सुनीता चंद्रा रहीं। कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि के रूप से गुंजन वर्मा उपस्थित रही।

बॉलीवुड थीम पर सजाया गया कार्यक्रम बहुत ही रोचक था। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रकार के बॉलीवुड स्टार्स की वेशभूषा में तैयार होकर आए, कोई बसंती बना था तो कोई श्रीदेवी बना था हर तरफ बॉलीवुड का माहौल छाया हुआ था । कार्यक्रम प्रतिभागियों ने सोलो डांस रैंप वॉक प्रतियोगिता में भाग लिया। कार्यक्रम की जूरी मेंबर सरिता सिंह सुरीन, नीलू श्रीवस्तवा थी साथ में रूपाली श्रीवास्तव, शैलेंद्र सिंह, पूनम जायसवाल, शक्ति बाजपेई, श्वेता सक्सेना, ऊषा गोस्वामी, शालिनी लाल आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे। थम के बरस सीजन 2 की विनर प्रीति वार्ष्णेय रही जिन्हें /5000 पुरस्कार के रुप में दिया गया, दूसरे नंबर पर सृष्टि शुक्ला और तीसरे नंबर पर सबीहा विजेता रही । सभी ने इस खूबसूरत पार्टी में खूब मस्ती और धमाल किया। थम के बरस टीम ऑर्गेनाइजर मोना बेकर्स की मोनिका सिंह अजीत सिंह, साध्वी त्रिपाठी, ज्योति बिलवारिया, अनीता मिश्रा व पूनम जयसवाल थी । कार्यक्रम का संचालन सुप्रसिद्ध हर दिल अजीज लोकप्रिय एंकर मनीष पंडित ने बहुत शानदार तरीके से किया। जिसने कार्यकर्म में एक नई ऊर्जा भर दी।

एआरपी के उन्मुखीकरण को लेकर कार्यशाला का हुआ आयोजन

सभी विद्यालयों को निपुण बनाने में करे सहयोग - एडी परियोजना

अयोध्या। सोमवार को निपुण भारत अभियान अन्तर्गत जनपद अयोध्या और जनपद बस्ती के ए एआरपी की उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया।अपर परियोजना निदेशक रोहित त्रिपाठी, राज्य परियोजना निदेशालय लखनऊ,निपुण भारत सेल की खुशी गोयल,जेहरा,लक्ष्य जैन,मेंहदी द्वारा प्रस्तुतिकरण के माध्यम से सभी विकास खण्ड के विद्यालयों को निपुण बनाने की रणनीति के संदर्भ में विस्तार से बताया गया।कार्यशाला को संबोधित करते हुए निपुण भारत सेल की सदस्य खुशी गोयल ने सभी ए आरपी से अपने विकासखंड के विद्यालयों को निपुण बनाने की रणनीति के साथ–साथ टूल किट पर विस्तार से चर्चा की।खुशी गोयल ने एआरपी के द्वारा रोल प्ले के माध्यम से उत्कृष्ट शिक्षण संकुल बैठकों का आयोजन

करने , खण्ड शिक्षा अधिकारी और एआरपी की साप्ताहिक बैठक में आगामी रणनीति बनाने के विषय में चर्चा किया।अपर परियोजना निदेशक,राज्य परियोजना कार्यालय लखनऊ रोहित त्रिपाठी ने सभी एआरपी को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी का चयन उत्कृष्ट और जटिल प्रक्रिया के द्वारा किया गया है।आप अपने विकास खंड में सभी शिक्षकों को प्रेरित करें कि।एडी परियोजना ने बताया कि सभी को स्वयं प्रेरित होते हुए सभी बच्चों को निपुण बनाने का कार्य करना चाहिए।बीएसए संतोष कुमार राय ने एआरपी को संबोधित करते हुए कहा कि आप अपने विकासखंड के सभी विद्यालयों को निपुण बनाने में सहयोगात्मक पर्यवेक्षक के माध्यम से शिक्षकों की सहायता करें।कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर अंबिकेश त्रिपाठी और सदक ए हुसैन द्वारा किया गया।कार्यक्रम में सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक शिक्षा)अयोध्या मण्डल तथा जनपद अयोध्या के सभी खण्ड शिक्षा अधिकारी,जिला समन्वयक प्रशिक्षण आदर्श सिंह,एस आर जी मनीष रस्तोगी,अमित कुमार मिश्र के अलावा सभी एआरपी और जनपद बस्ती के सभी खण्ड शिक्षा अधिकारी व एआरपी उपस्थित रहे।

केनरा बैंक ऑफिसर एसोसिएशन की उपलब्धियां एवं बैंकिंग क्षेत्र में तेजी से हो रहे बदलाव पर प्रकाश डाला

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। केनरा बैंक ऑफिसर एसोसिएशन के महासचिव रवि कुमार जी ने 100 से अधिक अधिकारी प्रतिनिधियों को संबोधित किया इससे पूर्व केनरा बैंक अंचल कार्यालय में कार्यपालकों के साथ अंचल स्तरीय संयुक्त बैठक की। रवि कुमार ने केनरा बैंक ऑफिसर एसोसिएशन की उपलब्धियां एवं बैंकिंग क्षेत्र में तेजी से हो रहे बदलाव पर प्रकाश डाला उन्होंने बैंक में अधिकारियों की वेतन संबंधित समझौते पर आई बी ए को दिए गए चार्टर ऑफ डिमांड के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि पचास हजार से अधिक अधिकारियों की सदस्यता बना सी बी ओ ए संगठन अपने सदस्यों के कल्याण के लिए बैंक प्रबंधन से नई नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। लखनऊ अंचल के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट धनंजय सिंह ने सभी प्रतिनिधियों को संबोधित किया। सभी दस क्षेत्रीय कार्यालय के पदाधिकारियों ने अपने–अपने क्षेत्र में केंनपाल के तहत किए गए कल्याणकारी प्रयासों का विवरण प्रस्तुत किया। इस बैठक में ओजीएस अंशुमान सिंह डीजीएस विवेक श्रीवास्तव आंचल एवं क्षेत्रीय सचिव संतोष श्रीवास्तव के साथ–साथ लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय द्वितीय के सचिव विवेक सोनकर भी उपस्थित रहे। उक्त जानकारी सर्व मित्र भट्ट

वरिष्ठ प्रबंधक

केनरा बैंक

अंचल कार्यालय लखनऊ ने दी।

सीएमओ की अध्यक्षता में कार्यशाला संपन्न

अयोध्या।सीएमओ सभागार दर्शन नगर अयोध्या में सीएमओ डॉ संजय जैन की अध्यक्षता में कार्यशाला का आयोजन किया गया।इस मौके पर वहां पर मौजूद सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से आए चिकित्सा अधिकारियों व कर्मियों को जनपद स्तरीय राष्ट्रीय कार्यक्रम आई. डी. एस.पी. विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान आई.एच.आई.पी. / यू.डी. एस. पी.पोर्टल के विषय में विस्तृत

रूप से बताया गया साथ ही आउटब्रेक रिपोर्टिंग एवम आउटब्रेक रिस्पॉन्सन एवं केस डेफिनिशन के बारे में बताया गया।कार्यशाला में सीएमओ डॉ संजय जैन के अलावा एसीएमओ डॉ पुष्पेंद्र कुमार,जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ वी पी त्रिपाठी, एपिडोमोलॉज डॉ अरविंद श्रीवास्तव,डीएचईईओ डी पी सिंह, एफसीओ डी के श्रीवास्तव व सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से आए चिकित्साधिकारी मौजूद रहे।

एस आर ग्लोबल स्कूल में गणेश चतुर्थी उत्सव भव्यता से मनाया गया।

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

बक्शी का तालाब स्थित से एस आर ग्रुप में एस आर ग्लोबल वा एस आर इंटरनेशन स्पेट्स एकेडमी में आज गणेश चतुर्थी जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ बनाया गया। जिसमें माननीय एमएलसी पवन सिंह चौहान, श्रीमती निर्मला सिंह चौहान, वाइस चेयरमैन पीयूष सिंह एवम श्रीमती सुष्मिता सिंह ,प्रधानाचार्य सी के ओझा,निदेशक मोनिका तिवारी,उप प्रधानाचार्य शालिनी श्रीवास्तव इत्यादि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना पूजन के साथ प्रारंभ हुआ माव एमएलसी पवन सिंह चौहान साहब ने छात्रों द्वारा किया गया प्रबंधा एवं कार्यक्रम को इतने कम समय में भव्यता पूर्वक करने के लिए बधाई दी, छात्रों के सराहनीय कार्य के

प्रसंशा की। इस अवसर पर एमएलसी साहब ने छात्रों को गणेश पूजन का महत्व और गणेश पर वंदना बेलपत्र से पूजन जाने का महत्व बताएं , सी के ओझा ने भगवान गणेश के समान छात्रों को माता–पिता के समक्ष आज्ञाकारी और विनम्र होने की शिक्षा दी, वाइस चेयरपर्सन श्रीमती निर्मला सिंह चौहान ने कहा कि छात्रों को अपने ज्ञानवर्धक में गणेश जी से और उनके जीवन से कुछ शिक्षा लेनी चाहिए जिससे वह प्रगति के पथ पर अग्रसर हो सके। इस कार्यक्रम को मोनिका तिवारी निदेशक एस आर इंटरनेशनल द्वारा सफलता पूर्वक संपन्न करने के लिए उनके स्टाफ के प्रबंधन की तारीफ की , मोनिका तिवारी जी ने इस अवसर पर कहा की गणेश जी श्री गणेश कहने से स्पष्ट होता हैं मां लक्ष्मी ,मां सरस्वती दोनो देवीयो का अनन्य आशीर्वाद आपके शुभारंभ में रहेगा। इस लिये सर्वप्रथम पूज्य देवता कहे जाते हैं।आज इनका जन्म उत्सव होता है।वाइस चेयरमैन पीयूष जी ने सभी विद्यार्थी को कहा की गणेश जी स्वरूप ही शक्ति और शुभता के ऐसा आज की युवा पीढ़ी को भी बनना चाहिए।सभी आए हुए छात्रों को उनके उत्कृष्ठ प्रदर्शन पर सम्मानित किया गया।

जुलूस ए मोहम्मदी 28 सितंबर को

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) । हर साल की तरह इस साल भी दारुल उलूम मदरसा अनवार ए मुस्तफा में जुलूस ए मोहम्मदी निकाले जाने की वजह से श्जुलूस ए मोहम्मदी वर्किंग कमेटी, की मीटिंग का एहतिमाम किया गया जिसमें शहर की 22 अंजुमनों के ओहदेदारान ने शिरकत की ।

जुलूस ए मोहम्मदी 28 सितम्बर बरोज जुमेरात मदरसा अनवार ए मुस्तफा से सुबह 9 बजे से 1 बजे तक निकाला जाएगा , जो कि मदरसा से बस स्टैंड , अल्लाहपुर तिराहा से वालदा शरीफ पर चादर पेश होगी ।

उसके बाद जामा मस्जिद में मुफ्ती साहब 30 मिनट खिताब करेगे फिर जुलूस चौक , महुआटोला चुंगी होता हुआ मदरसे में 1 बजे एखतेताम पजीर होगा । आज मीटिंग में शामिल हुए मेम्बरान में इमाम जामा मस्जिद मकसूद हुसैन , इमाम बस स्टैंड सय्यद आशिक उल कादरी , अफसार हुसैन , हाफिज तौहीद , मो . रईस वारसी , अशफाक खां , हाफिज यूनुस , मास्टर इजहार खां , हाफिज तालिब , अकमल हुसैन ,मो .अली , वगैरह ने शिरकत फरमाई ।

सनातन धर्म की रक्षा को लेकर दर्जनों संगठनों ने भरी हुंकार

संवाददाता

लखनऊ। सनातन धर्म को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने की मांग करते हुये विभिन्न संगठनों ने एक स्वर में हुंकार भरते हुये सनातन भारत मंच की घोशणा की है। आज यहां अखिल भारत हिन्दू महासभा, उत्तर प्रदेश कार्यालय कुर्सी रोड पर हुयी बैठक में जुटे विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने कहा कि इस मंच के माध्यम से सनातन धर्म को लेकर प्रतिदे्ष की भावना पैदा करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही के लिये न सिर्फ लड़ाई लड़ी जायेगी बल्कि हिन्दू समाज को सनातन धर्म के प्रति जागरूक करने का काम किया जायेगा। हिन्दू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी के आह्वान पर विभिन्न संगठनों संयुक्त उद्योग व्यापार मण्डल, अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद, हिन्दू सेना, राष्ट्र रक्षा वाहिनी, जय बजरंग सेना, जनविकास महासभा, उत्तर प्रदेश, शोभा फाउण्डेशन, भारतीय सर्वजन संगठन, कपूरथला व्यापार संघ, मंगल फाउण्डेशन, भारतीय ब्राहामण एकता फाउण्डेशन, हिन्दू समाज पार्टी, प्रतिनिधि उद्योग व्यापार मण्डल, बहुजन अवाम पार्टी, हिन्दू जन जागृति समिति, बाबा विष्वनाथ सवलीन ध्यान समिति, संस्कृत संघ, महावीर सेवी संघ, ब्राह्मण परिवार, राधा कृष्ण मन्दिर समिति, सवर्ण महासभा, आजाद भारतीय किसान यूनियन आदि के प्रतिनिधि सम्मिलित हुये। इस मौके पर सभी प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुये हिन्दू महासभा, उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी ने कहा कि सनातन भारत मंच तैयार होने से सनातन धर्म के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणी करने और प्रतिद्वेशपूर्ण वातावरण फैलाने वालों के खिलाफ न सिर्फ लड़ाई आसान होगी बल्कि सनातन धर्म के प्रति लोगों को जागरूक करने में आसानी होगी।

बीमार छात्रा को बेंच पर बैठा हाथ में थमा दी ग्लूकोज की बोतल

एक बार फिर नजर आई जिला चिकित्सालय कर्मियों की संवेदनहीनता

अयोध्या।एक बार फिर सोमवार को जिला अस्पताल से संवेदनहीनता और अव्यवस्था की एक ऐसी तस्वीर सामने आई है जिसने इन दावों की पोल खोलकर रख दी है।यहां खून कम होने के बाद इलाज के लिए पहुंची एक 14 वर्षीय छात्रा को बेड ही नहीं दिया गया। हालत बिगड़ी तो ग्लूकोज की बोतल लगाकर बेंच पर ही बैठा दिया और बोतल उसके भाई को थमा दी।

ग्राम मलेथू कनक निवासी प्रशांत तिवारी ने बताया कि उनकी बहन अंशिका तिवारी (14) की तबीयत बिगड़ गई थी। बुखार और उल्टियां आने के साथ उसका हीमोग्लोबिन भी कम हो गया था। इस वजह से वह दोपहर में ही बहन को लेकर जिला अस्पताल पहुंचा। इस दौरान उसने इमरजेंसी में चिकित्सक को दिखाया।चिकित्सक ने उसे भर्ती कराने की सलाह देते हुए चाइल्ड वार्ड में भेज दिया। यहां पहुंचा तो बच्चा वार्ड में मौजूद नर्सों ने भर्ती करने से साफ मना कर दिया।उन्होंने कहा कि यह 13 बेड का वार्ड है और फुल चल रहा है। हम भर्ती नहीं करेंगे। मन मसोसकर बाहर आए भाई ने बहन की बिगड़ती हालत देखी तो डॉक्टरों से गुहार लगाई। इसके बाद उसे ग्लूकोज चढ़ाने के लिए लगाई गई लेकिन बेड खाली न होने के कारण उसे वार्ड के बाहर ही बैठा दिया।बीमार छात्रा बाहर पड़ी बेंच पर बैठकर ग्लूकोज चढ़वाती रही और भाई हाथ में बोतल लिए खड़ा रहा। आधी बोतल खत्म हो जाने के बाद भी उसे भर्ती नहीं किया गया। इस दौरान उनके अन्य परिवारीजन भी वहां पहुंच गए।अंशिका की स्थिति को देखते हुए उनके चाचा और अन्य परिवारीजन भी मौके पर पहुंच गए और उन्होंने उसे किसी तरह से भर्ती करने की अपील की। इसके बाद उन्हें पास ही स्थित होल्डिंग वार्ड में भेजा गया, लेकिन वहां मौजूद स्टॉफ ने बताया कि वार्ड पूरी तरह से फुल हैं, यहां अब किसी तरह की जगह नहीं है।

एसडीएम ने नगर पंचायत का किया औचक निरीक्षण

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' सोमवार को तहसील सवायजपुर उपजिलाधिकारी डॉ अरुणिमा श्रीवास्तव ने पाली नगर पंचायत का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रजिस्टर आदि पेंडिंग पड़े कार्यों की जांच की। एसडीएम के अचानक नगर पंचायत पहुँचने से कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। एसडीएम ने फाइलों के रखरखाव व पेंडिंग कार्यों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित कर्मचारियों को हिदायत देते हुए कहा कि फाइलों को सुरक्षित स्थानों पर रखने की समुचित व्यवस्था की जाये। उन्होंने उपस्थित रजिस्टर को भी देखा जिसमें दो कर्मचारी अनुपस्थित मिले। अनुपस्थित कर्मचारियों का वेतन काटने के निर्देश दिये साथ ही ईओ के संबंध में

जानकारी करने से पता चला कि अधिशासी अधिकारी के पास दो नगर पंचायतों का चार्ज है जिसकी बजह से पाली नगर पंचायत का कार्य काफी प्रभावित हो रहा है। इस पर एसडीएम साहिबा ने नाराजगी जाहिर की और उन्हें निर्देश देते हुए कहा कि वह तीन दिन का समय निकालकर अपने कार्यालय में बैठकर पाली नगर पंचायत के कार्यों को देखें। किसी भी हाल में जनता के कार्य प्रभावित नहीं होने चाहिए। इसका ध्यान रखते हुए ससमय पेंडिंग कार्यों को पूरा करें। उपजिलाधिकारी डॉ अरुणिमा श्रीवास्तव ने कहा कि इसी तरह आये दिन नगर पंचायत का निरीक्षण किया जायेगा। उन्होंने बताया कि पाली नगर पंचायत की आये दिन शिकायतें मिल रही हैं। इस पर उन्होंने शख्त लहजे में कहा कि अब शिकायत मिलने पर संबंधित के खिलाफ कार्यवाही की जायेगी।

जिला चिकित्सालय में बच्चा वार्ड फुल,एक एक बेड पर दो दो मरीज भर्ती

इस गंभीर समस्या के सवालो से बचते दिखे सीएमएस डॉ बृज कुमार

अयोध्या। बुखार,मलेरिया,डायरिया व डेंगू जैसे कई गंभीर बीमारियों से ग्रसित रोगियों की संख्या जिला पुरुष चिकित्सालय में दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है।इस चिकित्सालय में हालात यहां तक बिगड़ गये है कि अधिकतर वार्डो में मरीजों के बेड भर गये है। सबसे गंभीर हालत जिला पुरुष चिकित्सालय के बच्चा वार्ड में दिखाई दे रहा है।इस वार्ड में हालात यह है कि डायरिया,मलेरिया, डेंगू, बुखार जैसे गंभीर बीमारियों से ग्रसित बच्चों की संख्या अधिक होने के चलते एक एक बेड पर दो दो बीमार बच्चों का इलाज किया जा रहा है।हालात यह है कि इस वार्ड में बेड न होने के चलते गंभीर रूप से बीमार बच्चों का इलाज नेबुलाइजर के लिए आरक्षित बेड पर भी हो रहा है।इस चिकित्सालय में इलाज कराने आने वाले अधिकतर रोगियों को इलाज कराने के लिये बेड नहीं मिल रहा है।चिकित्सालय के बच्चा वार्ड के बेड नंबर नौ पर बुखार से पीड़ित दो बच्चों का इलाज चल रहा था।यहां पर भर्ती बीमार बच्चों छः वर्षीय हनी व बनी के साहबगंज निवासी रिंकू चौहान ने बताया कि इन दोनों का इलाज एक ही बेड पर कल से चल रहा है। वही दो दिन पहले थौराहरा रामनगर 11 वर्षीय बुखार से पीड़ित मरीज अंशिका पुत्री राम सुचित के अलावा वहां पर भर्ती तीन वर्षीय अवि व ढेड़ माह की अंशिता के पिता विजय बहादुर ने बताया कि यहां पर बेड न होने के चलते एक ही बेड पर दो दो बीमार बच्चों का इलाज किया जा रहा है। जिसके चलते हम सभी को काफी परेशानी हो रही है। उन्होंने बताया कि इस इस समस्या के बारे में चिकित्साधिकारियों से कहा गया लेकिन डांट कर भगा दिया गया।इस समस्या पर सीएमएस डॉ बृज कुमार से बात करने की बात की गई तो उन्होंने इस गंभीर समस्या से पल्ला झाड़ते हुए उन्होंने सीएमओ डॉ संजय जैन से बात करने को कहा।सीएमओ डॉ संजय जैन ने इस पर कहा कि जिला चिकित्सालय में जो समस्या आये उसका निराकरण के लिए संबंधित सीएमएस जिम्मेदार होगे।

किसान महापंचायत में टिकैत बोले, मुफ्त बिजली नहीं दी

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में भारतीय किसान यूनियन की महापंचायत शुरू हो गई है। इसको लेकर भारी संख्या में किसान ईको गार्डन पहुंचे हैं। इस दौरान किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा, किसानों की कई मांगे हैं। सरकार ने अपने घोषणापत्र में कहा था कि किसानों को मुफ्त बिजली देंगे। घोषणापत्र झूठा था क्या... । या जनता बेवकूफ थी। आपने बहकाने का काम किया। ये सरकार आमने–सामने बैठकर बात नहीं करती है। जो लिखत–पढ़त में देती है, उस पर काम नहीं करती। टिकैत ने कहा, लोकतंत्र में भीड़ ही एकमात्र साधन है। एमएसपी कानून देश में बनना चाहिए। ये पूरे देश की डिमांड है। वैचारिक क्रांति देश में होगी। पुरानी पेंशन नीति पर काम होना चाहिए। किसानों को फसलों

के दाम मिलने चाहिए। क्या 2024 के लोकसभा चुनाव में किसान यूनियन का कोई राजनीति दखल रहेगा? इस सवाल पर उन्होंने कहा कि ऐसी हमारी रणनीति नहीं है। ईको गार्डन में हो रहे इस आयोजन में यूं तो किसानों से जुड़े कई मुद्दों को उठाया जा रहा है। लेकिन मुख्य तौर से एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) और गन्ना किसानों के बकाया का मुद्दा छाया दिख रहा है। भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत का आरोप है।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24 / 234 / 2019 / R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।